www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
8 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 71 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

खामेनेई की अंतिम यात्रा शियाओं के धार्मिक शहर कोम पहुंची

● जमकरान मस्जिद में जनाजे की नमाज हुई

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा मंगलवार को शियाओं के प्रमुख धार्मिक शहर कोम में निकाली जा रही है। तेहरान के बाद यहां भी लगातार दूसरे दिन लाखों लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे

हैं। खामेनेई और उनके परिवार के दिवंगत सदस्यों के ताबूत जमकरान मस्जिद लाए गए, जहां आयतुल्ला जवादी अमोली ने जनाजे की नमाज अदा कराई। मस्जिद परिसर और आसपास की सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। ड्रोन फुटेज में पूरा इलाका लोगों से खचाखच भरा दिखाई दिया। कोम शिया मुसलमानों का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। खामेनेई ने अपने शुरुआती धार्मिक जीवन में यहीं इस्लामी शिक्षा हासिल की थी।

डीएमके में आ जाओ 100 करोड़ ले जाओ

● मना करने पर मिली जान से मारने की धमकी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सियासी घमासान के बीच टीवीके विधायक जी. सरवनन ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके में शामिल होने के लिए उन्हें करोड़ों रुपये का लालच दिया गया और इनकार करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु के श्रीवैकुंटम विधानसभा क्षेत्र

से टीवीके विधायक जी. सरवनन ने आरोप लगाया है कि उन्हें डीएमके में शामिल होने के लिए 30 करोड़, 50 करोड़ और यहां तक कि 100 करोड़ रुपये तक का प्रस्ताव दिया गया। टीवीके विधायक जी. सरवनन ने दावा किया, कई लोग सीधे मेरे पास आए और कहा कि हम आपको 30 करोड़, 50 करोड़, यहां तक कि 100 करोड़ रुपये तक देंगे। बस आप डीएमके में शामिल हो जाइए। लेकिन जब मैंने उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया, तो उन्होंने मुझे परेशान करना शुरू कर दिया और खुलेआम जान से मारने की धमकियां दीं। उन्होंने कहा कि अगर मैंने उनकी बात नहीं मानी तो मुझे खत्म कर दिया जाएगा।

अहमदाबाद ब्लास्ट केस में 38 दोषियों की फांसी बरकरार

● 11 को उम्रकैद, 18 साल पहले 70 मिनट में 21 धमाके हुए थे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। निचली अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इसके

खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। आज जस्टिस एवाई कोगजे और समीर दवे की बेंच ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े लोगों की सजा को सही ठहराया। कोर्ट ने सरकार को 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपए और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश भी दिया। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा राशि का भुगतान 30 मार्च 2027 तक कर दिया जाए।

नीट यूजी एग्जाम | बहुत बड़े बदलाव की तैयारी

● 2027 से 5-6 दिन में होगी यह परीक्षा, एनटीए घटाएगा सेंटर्स की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले के बाद इस परीक्षा में रिफॉर्म करने में जुटी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने अगले साल यानी 2027 में होने वाली नीट यूजी परीक्षा को लेकर कुछ बड़े बदलाव किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 में होने वाली नीट यूजी परीक्षा 5-6 दिन में आयोजित होगी।

हर दिन 5 लाख कैंडीडेट्स होंगे परीक्षा में शामिल

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि एनटीए 2027 से नीट यूजी परीक्षा को 5-6 दिन में आयोजित कराएगी और जिन सेंटर्स पर यह परीक्षा होगी उनमें मुख्य रूप से केंद्रीय विद्यालय जैसे सरकारी इंस्टीट्यूशन्स शामिल होंगे। हर दिन लगभग 5 लाख उम्मीदवार परीक्षा में शामिल होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि एजेंसी बहुत जल्द इन बदलावों को लागू कर सकती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नीट के अलावा अन्य दूसरे हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के लिए एंट्रेंस एग्जाम कंडक्ट कराती है। एग्जाम की प्लानिंग के मुताबिक इसमें सरकारी स्कूल होंगे।

एनटीए में भी होंगे बदलाव!

एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने को बताया है कि नीट के पूरे ऑर्गनाइजेशन को ऊपर से लेकर नीचे तक बदलने की तैयारी है। एजेंसी में यह काम इसी साल अक्टूबर से पहले पूरा किए जाने की उम्मीद है। एनटीए में लगभग 150 पोस्ट पर उम्मीदवारों का चयन होना है। बता दें कि एनटीए में और नीट यूजी एग्जाम में यह बदलाव इस साल की नीट यूजी परीक्षा के लीक होने के बाद किए जा रहे हैं। पेपर लीक की घटना को लेकर शिक्षा मंत्रालय ने ये प्रस्ताव दिए हैं।

बंगाल गैंगरेप मर्डर केस में तीन लोग गिरफ्तार

● बारूईपुर में जिंदा बच्ची तालाब में फेंकी थी

पोस्टमॉर्टम में दावा-फेफड़ों-पेट में पानी मिला

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल पुलिस ने सोमवार को दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 12 साल की लड़की के रेप और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान आनंद सरदार के तौर पर हुई है। पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाकर उसे शहर के बाजार इलाके से पकड़ा। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या तीन हो गई है। मामले की जांच के लिए 6 लोगों की एसआईटी बनाई गई है। मासूम 4 जुलाई को लापता हुई थी। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि मासूम सहेली के

लिए गिफ्ट खरीदने निकली थी। जब बच्ची घर नहीं लौटी तो परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। बाद में रविवार को उसकी लाश सूर्यपुर हाट इलाके के तालाब में मिली थी।

भारत विस्तारवाद में भरोसा नहीं करता

● इंडोनेशिया की संसद में बोले पीएम मोदी, चीन को दिया सीधा संदेश ● रक्षा, स्वास्थ्य और समुद्री क्षेत्र को लेकर दोनों देशों के बीच समझौता

जकार्ता (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया के संसद को संबोधित किया है। इस दौरान उन्होंन भारत और इंडोनेशिया के सांस्कृतिक संबंध का हवाला दिया। आज भारत और इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस मिसाइल और अस्त्र मिसाइल को लेकर सौदा किया है। उन्होंने देश की संसद को संबोधित करते हुए गुट निरपेक्ष आंदोलन को याद किया और

भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को याद किया। जिन्होंने इंडोनेशिया के साथ मिलकर गुट निरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी थी। इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जो विकास के रास्ते पर चलता है न कि विस्तारवाद के। पीएम मोदी ने इंडोनेशिया की संसद से पहलगाम हमले का जिक्र किया।

भारत और इंडोनेशिया के लिए समुद्र कभी भी दूरी का प्रतीक नहीं रहा

पीएम मोदी ने कहा भारत और इंडोनेशिया के लिए समुद्र कभी भी दूरी का प्रतीक नहीं रहा है। यह हमेशा हमारे देशों के बीच एक पुल रहा है और हमारे साझा भविष्य के लिए अहम बना हुआ है। उन्होंने आगे कहा भारत और इंडोनेशिया के बीच जो सद्भावना और भरोसा है, उससे हमारे नागरिकों के लिए नए अवसर पैदा होने चाहिए। उन्होंने कहा जब भारत और इंडोनेशिया साथ खड़े होते हैं तो वे दुनिया का यह भरोसा मजबूत करते हैं कि लोकतंत्र अवसर पैदा करता है, लोकतंत्र भरोसा बनाता है और लोकतंत्र भविष्य को आकार देता है। आपको बता दें कि इंडोनेशिया का चीन के साथ दक्षिण चीन सागर में गहरा विवाद चल रहा है और इंडोनेशिया के भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के पीछे भी चीन ही वजह है।

● **भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया**- भारत-इंडोनेशिया के बीच मंगलवार को जकार्ता में 20 समझौते हुए। सबसे अहम ब्रह्मोस डील रही। इसको लेकर दोनों देशों के बीच पिछले 4 महीने से बातचीत चल रही थी। भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। इसी के साथ फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है। इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। वहीं भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने में भी मदद करेगा। ये समझौते पीएम मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान हुए। मंगलवार को पीएम मोदी के इंडोनेशिया दौरे का दूसरा दिन है। राष्ट्रपति प्रबोवो ने उन्हें इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान दिया। पीएम मोदी ने इंडोनेशियाई संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा- यहां सर्वोच्च सम्मान मिलना सौभाग्य है। पीएम ने शाम को जकार्ता में भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया।

वायनाड में टैंकर-गाड़ियां बहा ले गई सुरंग की मिट्टी

● लैंडस्लाइड से अब तक 4 लोगों की मौत, कई लोग दबे

वायनाड (एजेंसी)। केरलम के वायनाड में मंगलवार सुबह तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुआ। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग घायल

हुए हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। टनल से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड भी बह गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, इसमें दिख रहा है कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर सुरंग से तेज लहर के साथ आया मलबा एक टैंकर को तिनके की तरह बहाकर ले गया। दो लोग इसके मलबे में फंसे। पुलिस, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मलबा हटाने के लिए भारी मशीनों की जरूरत होगी। लगातार बारिश के कारण काम रोक दिया गया था।

यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका – वायनाड, केरल के नॉर्थ-ईस्ट में है। यह केरल का एकमात्र पठारी इलाका है। यानी मिट्टी, पत्थर और उसके ऊपर उगे पेड़-पौधों के ऊंचे-नीचे टीलों वाला इलाका। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, केरल का 43 फीसदी इलाका लैंडस्लाइड प्रभावित है। वायनाड की 51 फीसदी जमीन पर पहाड़ी ढलाने हैं। यानी लैंडस्लाइड की संभावना बहुत ज्यादा बनी रहती है। वायनाड का पठार वेस्टर्न घाट काफी ऊंचाई पर है।

मुख्यमंत्री ने दी विकास योजनाओं के लिए 495 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुम्भ मेला-2027 की तैयारियों के साथ ही राज्य के विभिन्न जनपदों में वाह्य एवं आन्तरिक मार्गों के निर्माण एवं पुनर्निर्माण, सौन्दर्यीकरण के साथ शहरी स्थानीय निकायों एवं जिला पंचायतों के विकास कार्यों तथा जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु 495 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री द्वारा राज्य योजना के अन्तर्गत नरेन्द्र नगर विधानसभा में भारपुर पोंथ मोटर मार्ग (फेज-1) पर 7.250 से 11.325 (कुल लंबाई 4.075) तक सड़क के पुनर्निर्माण और सुधारीकरण हेतु 3.08 करोड़ की धनराशि, जनपद अल्मोडा के विधानसभा क्षेत्र सल्ट में शिव मन्दिर, भिकियासैंण का निर्माण कार्य एवं सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 53.51 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 32.10 लाख की धनराशि, जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र धारचूला में जुम्मा मल्ला ग्वार से छिपला सरोवर तक मार्ग निर्माण किये जाने हेतु 80.35 लाख

की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 48.21 लाख, जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट के विकासखण्ड चौखुटिया के मांसी में रामगंगा नदी के दायें पार्श्व पर स्थित रामपादुका मंदिर पर स्नान घाट निर्माण किये जाने हेतु 94.00 लाख के सापेक्ष अवशेष धनराशि 37.60 लाख के अनुमोदन के साथ ही जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में महिला प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना किये जाने हेतु 60.00 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 36.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र हरिद्वार में वार्ड-30 चौक बाजार कनखल में ट्रांसफार्मर से सतीघाट तक सी.सी. मार्ग निर्माण हेतु 47.00 लाख एवं वार्ड न0-27 लाटोवाली कनखल में सी.सी. मार्ग निर्माण हेतु 36.00 लाख की धनराशि स्वीकृत किये के साथ ही विधानसभा क्षेत्र लक्सर हेतु सतसंग भवन महाराजपुर से गंगदासपुर तक मार्ग का सुधारीकरण हेतु 3.72 करोड़, जनपद उधमसिंहनगर के विधानसभा क्षेत्र सितारगंज में ग्राम गोविन्दनगर में पडागांव चौराहे से गोविन्दनगर आबादी होते हुए ग्राम रजनीनगर तक मार्ग का पुनः निर्माण कार्य हेतु 92.39 लाख एवं ग्राम गऊघाट से अनकपाल प्रधान एवं पुल की ओर मार्ग का पुनः निर्माण कार्य हेतु 1.81 करोड तथा बाजार भाग के मुख्य चौराहे से नहर पुलिया होते हुए शमशान घाट तक मार्ग एवं एन-125 के किमी0 01 से पुरानी मंडी मार्ग का टाईल द्वारा पुनः निर्माण कार्य हेतु 98.71 लाख एवं ग्राम करधरिया में मेन रोड़ से देशराज के घर होते हुए गुरमीत सिंह आदि के घर तक मार्ग का पुनः निर्माण कार्य हेतु 96.23 लाख स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

● केतन अग्रवाल मर्डर केस में सनसनीखेज खुलासा

सिया ने प्रेमी चेतन से पहले ही कर ली थी चुपके से शादी

● पुलिस सिया गोयल के दो दोस्तों से कर रही है पूछताछ

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के चर्चित केतन अग्रवाल मर्डर केस में अब तक सबसे बड़ा खुलासा सामने आया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार केतन की मंगेतर सिया गोयल ने चार महीने पहले ही बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी से शादी कर ली थी। केतन की हत्या के आरोप में सिया और चेतन चौधरी जहां जेल में बंद हैं तो वहीं दूसरी ओर पुलिस अब और कड़ियां जोड़ने में जुटी है, ताकि इस मामले को और पुख्ता किया जा सके। पुलिस सिया गोयल के दो कॉलेज दोस्तों से पूछताछ कर रही है। इस मामले की जांच पुणे ग्रामीण पुलिस की लोनावाला थाना पुलिस कर रही है। जांच को एसपी ग्रामीण खुद सुपरवाइज कर रहे हैं। केतन के पिता के आग्रह पर सरकार ने

इस मामले में उज्जवल निकम को सरकारी वकील नियुक्त किया है।

केतन अग्रवाल केस में नया ट्विस्ट-पुलिस सूत्रों के अनुसार इन दोस्तों ने कथित तौर पर मैरिज रजिस्ट्री के लिए गवाह के तौर पर दस्तखत किए थे। सूत्रों का कहना है कि पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल से सगाई के बाद सिया गोयल ने अपने बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी से चुपके से शादी कर ली थी। 20 साल की सिया गोयल और 25 साल की अग्रवाल की शादी नवंबर में तय हुई थी। 18 जून को पुणे के लोहागढ़ किले से गिरने के कारण केतन अग्रवाल की मौत हो गई थी।

● **इंस्टाग्राम पर रखी थी शादी की तस्वीर!**- पुणे के बिजनेसमैन केतन अग्रवाल की मुलाकात सिया गोयल से परिवार के जरिए हुई थी और फरवरी में उनकी सगाई हुई थी। नवंबर में शानदार शादी के लिए उदयपुर में एक होटल बुक किया गया था। पुलिस की टेक्निकल टीमें एक प्राइवेट इंस्टाग्राम अकाउंट से डिलीट की गई फोटो रिकवर करने की कोशिश कर रही हैं, जिसमें कथित तौर पर आरोपी जोड़े को शादी की माला पहने हुए दिखाया गया था। पुलिस चौधरी के बैंक रिकॉर्ड की जांच कर रही है। पुलिस को जानकारी मिली है कि उसने सीक्रेट शादी को जल्दी निपटाने के लिए जरूरी पब्लिक नोटिस से बचने के लिए किसी बिचौलिए को पैसे दिए थे।

तेलंगाना में पति को ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर डालकर मारा

● पत्नी नर्स, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था, छत से धक्का भी दिया था, लेकिन बच गया

निजामाबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर 35 साल के पति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला 32 साल की संध्या, उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार कर लिया है। जांच

एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी खबर सोमवार को सामने आई। पुलिस के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिली। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को 145.42 करोड़ की पेंशन राशि की जारी

योजनाएं अगले 25 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनें, केवल आज नहीं भविष्य की भी करें तैयारी– मुख्यमंत्री धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने समाज कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग की सभी योजनाएं केवल वर्तमान आवश्यकताओं को नहीं, बल्कि अगले 25 वर्षों की चुनौतियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि योजनाएं ऐसी हों जो समय के साथ निरंतर प्रभावी बनी रहें तथा अन्य राज्यों के लिए भी श्बेस्ट प्रैक्टिस का उदाहरण बनें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाबू जगजीवन राम बालक छात्रावास, डोईवाला (देहरादून), बाबू जगजीवन राम बालक छात्रावास, पाइनस (नैनीताल) तथा बाबू जगजीवन राम बालिका छात्र-ावास, सोमेश्वर (अल्मोड़ा) के निर्माण कार्य हर हाल में अक्टूबर माह तक पूर्ण किए जाएं, ताकि अनुसूचित जाति के छात्र–छात्राओं को शीघ्र बेहतर आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं का इंटीग्रेशन किया जाए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों में वित्तीय प्रबंधन और संसाधनों के प्रभावी उपयोग का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 60 वर्ष की आयु पूर्ण करते ही पात्र नागरिक स्वतः वृद्धावस्था पेंशन के दायरे में आ जाएं, जिससे उन्हें किसी प्रकार की अनावश्यक प्रक्रिया से न गुजरना पड़े और समय पर पेंशन का लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास सभागार में समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं की माह जून–2026 की देय पेंशन राशि का डीबीटी (वन क्लिक) के माध्यम से हस्तांतरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कुल 9,80,950 लाभार्थियों को लगभग 145 करोड़ 42 लाख की पेंशन राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की। इसमें केंद्र सरकार का अंश लगभग 7 करोड़ 2 लाख तथा राज्य सरकार का अंश लगभग 138 करोड़ 40 लाख रहा।

माह जून–2026 में वितरित इस राशि में वृद्धावस्था पेंशन के 6,11,245 लाभार्थियों को 91.69 करोड़, विधवा पेंशन के 2,35,850 लाभार्थियों को 35.38 करोड़, दिव्यांग पेंशन के 88,787 लाभार्थियों को 13.32 करोड़, किसान पेंशन के 27,207 लाभार्थियों को 3.26 करोड़, परित्यक्ता पेंशन के 8,258 लाभार्थियों को 99.10 लाख, भरण–पोषण अनुदान के 7,297 लाभार्थियों को 51.08 लाख, तीलू रौतेली पेंशन के 2,179 लाभार्थियों को 26.15 लाख तथा बौना पेंशन के 127 लाभार्थियों को 1.52 लाख की सहायता प्रदान की गई।

बैठक में बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना की भी समीक्षा की गई। यह योजना अनुसूचित जाति के छात्र–छात्राओं को माध्यमिक, उच्च एवं विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा के लिए छात्रावास सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार प्रति छात्र 3.25 लाख तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है तथा आवश्यकता होने पर राज्य सरकार अतिरिक्त टॉप–अप राशि देकर आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण छात्रावासों का निर्माण सुनिश्चित करती है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, हमारी सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी और प्रभावी व्यवस्था विकसित करना है जो आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताओं को भी पूरा करे। सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान प्रत्येक पात्र नागरिक का अधिकार है। उत्तराखण्ड में ऐसा सुशासन मॉडल विकसित किया जाएगा, जिसे देश के अन्य राज्य भी अपनाने के लिए प्रेरित हों।

बैठक में कैबिनेट मंत्री श्री खजान दास, समाज कल्याण सचिव सहित समाज कल्याण विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

विकास और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही सरकार : सांसद

डोईवाला। जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार अभियान के तहत मंगलवार को जीवनवाला के फतेहपुर टांडा में बहुउद्देश्यीय शिविर आयोजित कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया गया। विभागीय स्टॉलों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया।

फतेहपुर जीवनवाला क्षेत्र में आयोजित शिविर का शुभारंभ हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत और डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भाजपा सरकार विकास और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। हर वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास हो रहा है। विधायक बृजभूषण गैरोला ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के जरिये सरकार का प्रयास है कि विकास योजनाओं का लाभ प्रत्येक वर्ग को मिले और उनकी समस्याओं का त्वरित निदान संभव हो सके। शिविर के दौरान स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास, खाद्य आपूर्ति, राजस्व समेत विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाए।

13 करोड़ रुपये की जुलेड़ी पंपिंग योजना चार साल बाद भी अधूरी

यमकेश्वर। 13 करोड़ रुपये की लागत से 28 गांवों की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या दूर करने के लिए बनाई जा रही जुलेड़ी पंपिंग योजना अधर में लटकी हुई है। अक्तूबर 2022 में शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी योजना से वर्ष 2024 तक ग्रामीणों के घरों में नल से पानी पहुंचने की उम्मीद थी, लेकिन निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार और प्रशासनिक देरी के चलते चार साल बाद भी ग्रामीणों को राहत नहीं मिल सकी है। योजना को सबसे बड़ा झटका 20 अगस्त 2023 की आपदा में लगा, जब बैरागढ़ स्थित जल शोधन संयंत्र (ट्रीटमेंट प्लांट) मलबे की चपेट में आ गया। इसके बाद नई भूमि के चयन में ही करीब दो वर्ष का समय निकल गया। आखिरकार आईआईटी रुड़की से नई जगह पर टैंक निर्माण का नक्शा स्वीकृत होने के बाद अक्तूबर 2025 में बैरागढ़ में 170 किलोलीटर क्षमता के टैंक का निर्माण शुरू कराया गया। वर्तमान में पंप हाउस और पंप ऑपरेटर का आवास भी तैयार हो चुका है। विभागीय अधिकारियों ने दावा किया था कि अप्रैल 2026 तक योजना पूरी कर ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी, लेकिन यह समय सीमा भी बीत चुकी है और योजना अब भी अधूरी है। इससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। योजना के तहत 800 से अधिक स्टैंड पोस्ट के माध्यम से 28 गांवों में हर घर तक पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन हकीकत यह है कि आज भी अधिकांश ग्रामीण हैंडपंप, प्राकृतिक जलस्त्रोतों या टैंकरों पर निर्भर हैं। जुलेड़ी, दिउली समेत कई गांवों में मई माह से नियमित रूप से टैंकरों के जरिये पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

निर्माणाधीन चहारदीवारी धंसने पर खेल विभाग सख्त

पीपलकोटी। सेमलडाला खेल मैदान की निर्माणाधीन चाहरदीवारी के धंसने और उसमें दरारें पड़ने के मामले में जिला खेल विभाग ने सिंचाई विभाग से जवाब–तलब किया है। हाल ही में हुई बारिश के बाद चाहरदीवारी के कुछ हिस्सों में दरारें दिखाई दी हैं जबकि वहां सीमेंट के कॉलम भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मामले की जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया है।

सेमलडाला मैदान की सुरक्षा और विकास के लिए जिला खेल विभाग की ओर से चहारदीवारी निर्माण के लिए करीब 98 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस कार्य की जिम्मेदारी सिंचाई विभाग को सौंपी गई है। निर्माण कार्य अभी पूरा भी नहीं हुआ था कि बारिश के चलते दीवार के एक हिस्से के धंसने और क्षतिग्रस्त होने की शिकायत सामने आ गई।

मामले की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी गौरव कुमार ने जिला खेल अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद खेल विभाग ने सिंचाई विभाग को एटीआर (एक्शन टेकन रिपोर्ट) जारी कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता, क्षति के कारणों तथा सुधारात्मक कदमों के संबंध में विस्तृत जवाब मांगा है।

सड़क बंद होने से 10 किमी पैदल चलकर परीक्षा केंद्र पहुंचे छात्र

देवाल/थराली। खेता–मानमती सड़क सुयालकोट में दो दिन से बंद है। सड़क बंद होने के कारण मुख्यमंत्री मेधावी छात्र परीक्षा के लिए छात्रों को 10 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। वहीं सेरा–विजयपुर–तलवाड़ी मोटर मार्ग छह दिन बाद बहाल हो पाया।

मार्ग पर 50 से अधिक वाहन फंसे हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री मेधावी छात्र परीक्षा का आयोजन हुआ। ब्लॉक में राजकीय इंटर कॉलेज मेलखेत सहित चार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सड़क बंद होने से लिंगडी, ओडर, सिलगी आदि गांवों के छात्र परीक्षा केंद्र मेलखेत पहुंचे। क्षेत्र के कलम सिंह भंडारी ने बताया कि करीब 30 से अधिक छात्र–छात्राएं परीक्षा देने पहुंचे। खंड शिक्षा अधिकारी योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि 621 छात्र–छात्राएं परीक्षा दे रहे हैं। वहीं लोनिवि के ईई मनीष डोगरा ने बताया कि सुयालकोट में मलबा हटाने का काम जारी है।

मुख्य सचिव ने सचिवालय से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जिलाधिकारियों के साथ की बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जिलाधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई एवं दिशा – निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने प्रदेशभर में हरेला पर्व को बड़े स्तर पर मनाये जाने के लिए सभी जनपदों को एक्शन प्लान तैयार किये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि इस पर्व को आमजन से जोड़े जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस पर्व से अधिक से अधिक लोगों को जोड़े जाने के लिए स्कूल, एनजीओ न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत आदि को जोड़ते हुए वृहद स्तर पर हरेला का आयोजन किया जाए। मुख्य सचिव ने प्रदेश में क्लस्टर विद्यालयों की प्रगति पर भी चर्चा की। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों के साथ प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में छात्र – छात्राओं को यातायात सुविधा दिए जाने के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि क्लस्टर विद्यालयों के माध्यम से सरकार छात्र – छात्राओं को वो सभी सुविधाएं एक जगह पर देने का प्रयास कर रही है, जो उन्हें मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्लस्टर विद्यालयों को सभी आवश्यक सुविधाओं से परिपूर्ण करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। चिन्हित क्लस्टर विद्यालयों में से 'लो हैंगिंग फ्रूट' जैसे विद्यालयों को शुरूआती चरण में लिया जा सकता है। मुख्य सचिव ने आयुक्त गढ़वाल एवं आयुक्त कुमाऊँ को इस सम्बन्ध में साप्ताहिक समीक्षा करते हुए, क्लस्टर विद्यालयों में शीघ्र से शीघ्र विद्यार्थियों को यातायात सुविधा उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री आर. के. सुधांशु, सचिव श्री नितेश कुमार झा, श्री रविनाथ रमन, डॉ. वी. षणमुगम, श्री चंद्रेश कुमार यादव एवं श्री विनोद कुमार सुमन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

सड़क तो बना दी पुल बनाना भूल गया प्रशासन

बड़कोट। दुर्बिल गांव की करीब 4.50 किलोमीटर लंबी खस्ताहाल सड़क की मरम्मत और मोटर पुल निर्माण की वर्षों पुरानी मांग एक बार फिर जोरशोर से उठी है।

भाजपा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दीपक बिजल्वाण के नेतृत्व में ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून में ब्रीडकुल के मुख्य अभियंता एसके पाठक से मुलाकात की। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क तो वर्षों पहले बना दी गई लेकिन मोटर पुल का निर्माण नहीं होने से पूरी सड़क आज भी बेकार साबित हो रही है। पुल के अभाव में गांव तक वाहनों की आवाजाही संभव नहीं हो पाती जबकि रखरखाव के अभाव में 4.50 किमी लंबी सड़क भी पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। इससे ग्रामीणों को रोजमर्रा की आवाजाही, खेती–बाड़ी और आपातकालीन परिस्थितियों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दीपक बिजल्वाण ने बताया कि हाल ही में दुर्बिल गांव के दौरे के दौरान ग्रामीणों ने सड़क और पुल की समस्या से अवगत कराया था। इसके बाद ग्रामीणों के साथ मुख्य अभियंता से मुलाकात कर उन्होंने साफतौर पर कहा कि जब तक मोटर पुल का निर्माण नहीं होता तब तक सड़क निर्माण पर खर्च की गई सरकारी धनराशि का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने जनहित को देखते हुए सड़क की तत्काल मरम्मत और मोटर पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। मुख्य अभियंता से मुलाकात करने वाले शिष्टमंडल में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सरजीत लाल, संदीप पंवार, विक्रम सिंह, जैरिया लाल, पूर्व प्रधान केदार सिंह, सोबत सिंह, चन्द्र सिंह, तारा सिंह आदि मौजूद रहे।

जंगल में गाय लेने गई युवती पर तेंदुए का हमला

रानीखेत (अल्मोड़ा)। तहसील के ऐना गांव में सोमवार दोपहर जंगल में गाय लेने गई एक युवती पर तेंदुए ने हमला कर दिया। साथियों के शोर मचाने पर तेंदुआ भाग निकला लेकिन तब तक युवती गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। ऐना गांव निवासी दीवान सिंह की पुत्री बबीता बोरा (22) ग्रामीणों के साथ जंगल गई थी। बताया गया कि वह अकेले गाय लेने जंगल की ओर गई, तभी झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। चीख–पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। घायल बबीता को उप जिला चिकित्सालय रानीखेत लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिर, गर्दन और चेहरे पर गंभीर चोटों के चलते उसे उच्च केंद्र रेफर कर दिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीण चंदन सिंह ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से तेंदुए और अन्य जंगली जानवरों की दहशत बनी हुई है। आए दिन मवेशियों पर हमले हो रहे हैं जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। उन्होंने वन विभाग से प्रभावित क्षेत्र में तत्काल पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

विशेषज्ञ चिकित्सक के अभाव में घायल किशोरी रेफर

उप जिला चिकित्सालय रानीखेत में न्यूरोलॉजिस्ट की सुविधा नहीं होने के कारण तेंदुए के हमले में गंभीर रूप से घायल युवती को प्राथमिक उपचार के बाद उच्च केंद्र रेफर करना पड़ा। सिर पर गंभीर चोट की आशंका के चलते विशेषज्ञ उपचार की आवश्यकता बताई गई।

अल्मोड़ा में यूकेडी का हर घर जल मीटर हस्ताक्षर अभियान शुरू

अल्मोड़ा। उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) जिला अल्मोड़ा की ओर से सोमवार को हर घर जल मीटर हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक घर में जल मीटर लगाए जाने के पक्ष में जनजागरूकता फैलाना और हस्ताक्षर के माध्यम से व्यापक जनसमर्थन जुटाना है। चौघानपाटा में अभियान के शुभारंभ के साथ ही लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई और पहले ही घंटे में सैकड़ों नागरिकों ने हस्ताक्षर कर अपना समर्थन दर्ज कराया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दिनेश जोशी ने कहा कि जल मीटर व्यवस्था से जल की अनावश्यक बर्बादी पर नियंत्रण लगेगा और उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत के आधार पर बिलिंग का लाभ मिलेगा। यूकेडी ने जिले के सभी नागरिकों से इस जनहितकारी अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लेने और हस्ताक्षर कर इसे सफल बनाने की अपील की।

यमुनोत्री हाईवे पर दस घंटे बाद शुरू हो पाई आवाजाही

बड़कोट। लगातार हो रही बारिश के बीच यमुनोत्री धाम जाने वाले मार्गों पर भूस्खलन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार तड़के स्यानाचट्टी के पास पहाड़ी से भारी मलबा और बोल्डर यमुनोत्री हाईवे पर आ गिरने से मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। करीब 10 घंटे तक यातायात बाधित रहने के बाद हाईवे आवाजाही के लिए खुला। राष्ट्रीय राजमार्ग की मशीनों और ऑपरेटरों की कड़ी मशक्कत से दोपहर करीब एक बजे हाईवे पर आवाजाही बहाल हो सकी। हाईवे बंद रहने से दोनों ओर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के वाहन घंटों तक फंसे रहे। वहीं, स्यानाचट्टी से आगे भी कई स्थानों पर लगातार मलबा और पत्थर गिरने से आवाजाही जोखिम भरी बनी हुई है। प्रशासन ने यात्रियों से अत्यधिक सावधानी बरतने को कहा है। इधर, जानकीचट्टी–यमुनोत्री पैदल मार्ग पर भी मंगलवार को जानकीचट्टी के निकट पहाड़ी से मलबा आने के कारण आवाजाही प्रभावित हो गई। मार्ग पर मलबा जमा होने से तीर्थयात्री जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर हैं।

उत्तराखंड की आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास आवश्यकताओं के प्रति केंद्र सरकार प्रतिबद्ध

देहरादून। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास, पुनर्निर्माण तथा वित्तीय सहायता से जुड़े विभिन्न विषयों पर केंद्र सरकार द्वारा की गई कार्रवाई और उपलब्ध कराई जा रही सहायता की जानकारी दी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा है कि आपदा प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होती है। हालांकि, आपदा की स्थिति में केंद्र सरकार राज्यों को हर संभव सहयोग प्रदान करती है। बचाव एवं राहत कार्यों के लिए आवश्यक लॉजिस्टिक और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। गंभीर प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय दल के आकलन के आधार पर राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि से अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए उत्तराखंड को राज्य आपदा मोचन निधि के अंतर्गत 1012 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें 911.20 करोड़ रुपये केंद्र सरकार तथा 100.80 करोड़ रुपये राज्य सरकार का अंश है। केंद्र सरकार द्वारा अपने हिस्से की पूरी राशि दो समान किस्तों में राज्य को जारी की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार के अनुसार 1 अप्रैल 2025 को रक्षा खाते में 2503.07 करोड़ रुपये की प्रारंभिक शेष राशि भी उपलब्ध थी। उन्होंने उल्लेख किया कि वर्ष 2025 में उत्तराखंड में हुई बादल फटने की घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने राज्य सरकार के ज्ञापन की प्रतीक्षा किए बिना 8 अगस्त 2025 को अंतर–मंत्रालयी केंद्रीय दल का गठन किया था। इस दल ने 7 से 9 सितंबर 2025 तक प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर क्षति का आकलन किया। राज्य सरकार द्वारा बाद में संशोधित ज्ञापन प्रस्तुत किए जाने के उपरांत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अतिरिक्त वित्तीय सहायता के संबंध में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि गंभीर आपदाओं के बाद पुनर्स्थापन एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुसार पोस्ट डिजास्टर नीड्स असेसमेंट कराया जाता है। उत्तराखंड सरकार द्वारा वर्ष 2025 की विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनज़र ढव्छ्अ कराया गया, जिसके आधार पर 10,998.95 करोड़ रुपये की सहायता का अनुरोध किया गया था। निर्धारित मानकों के अनुरूप केंद्र सरकार ने 811.87 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इसमें केंद्र सरकार का हिस्सा 608.90 करोड़ रुपये है,

सूचना नहीं देने पर प्रधानाध्यापक के वेतन पर रोकने के निर्देश

अल्मोड़ा। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं कराने के मामले में राज्य सूचना आयोग ने विकासखंड चौखुटिया स्थित स्वामी विवेकानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिमलखेत के प्रधानाध्यापक का वेतन रोकने के निर्देश मुख्य शिक्षा अधिकारी को दिए हैं। आयोग के आदेश के बाद विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारियों का वेतन भी प्रभावित होने का मामला सामने आया है।विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक गोपाल दत्त बुधोड़ी ने बताया कि उन्होंने 5 जुलाई 2025 को लोक सूचना अधिकारी एवं प्रधानाध्यापक से सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत कुछ जानकारियां मांगी थीं लेकिन निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बाद उन्होंने राज्य सूचना आयोग में अपील दायर की।सुनवाई के बाद आयोग ने मांगी गई सूचना उपलब्ध कराए जाने तक प्रधानाध्यापक के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए। आरोप है कि आयोग के आदेश के बावजूद प्रधानाध्यापक ने अपना वेतन देयक अन्य शिक्षक एवं कर्मचारियों के वेतन देयक के साथ संयुक्त रूप से मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय भेज दिया। आयोग के स्पष्ट निर्देशों के चलते संयुक्त वेतन देयक पर कार्रवाई नहीं हो सकी जिससे विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारियों का वेतन भी फिलहाल अटक गया है।

बारिश बनी मुसीबतः सोनप्रयाग–त्रियुगीनारायण मार्ग पर बार–बार भूस्खलन

रूद्रप्रयाग। लगातार हो रही बारिश के कारण सोनप्रयाग–त्रियुगीनारायण मोटर मार्ग पर भूस्खलन की बढ़ रहा हैं। मार्ग पर जगह–जगह मलबा और बोल्डर आने से यातायात बार–बार बाधित हो रहा है। इसका असर भगवान शिव–पार्वती के विवाह स्थल के रूप में प्रसिद्ध त्रियुगीनारायण पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और विवाह समारोहों में शामिल होने वाले लोगों पर भी पड़ रहा है।

देर रात हुई बारिश के बाद बड़ा सांगू क्षेत्र में भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर सड़क पर आ गए, जिससे मार्ग अवरुद्ध हो गया। सड़क बंद होने के कारण राहगीरों को काफी दूरी तक पैदल चलकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ा। गुजरात और महाराष्ट्र से आए कुछ श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ा, जिनका त्रियुगीनारायण मंदिर में विवाह समारोह निर्धारित था।

सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र ने बताया कि बरसात के दौरान इस मार्ग पर लगातार मलबा और बोल्डर गिर रहे हैं, जिससे यातायात बार–बार प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि संबंधित विभाग ने जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण गधेरों का पानी सीधे सड़क पर आ रहा है। इससे चट्टानें खिसक रही हैं और मलबा सड़क पर फैल रहा है, जिससे यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता पवन कुमार ने बताया कि मार्ग को सुचारु रखने के लिए मशीन मौके के निकट तैनात की गई है। उन्होंने कहा कि मलबा हटाने का कार्य लगातार किया जा रहा है और मार्ग को यातायात के लिए शीघ्र बहाल किया जा रहा है।

प्रभावितदेवाल/थराली/नारायणबगड़। रात हुई मूसलाधार बारिश से पिंडरघाटी के नारायणबगड़, थराली और देवाल ब्लॉकों में कई मोटर मार्ग मलबा आने से बंद हो गए, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया। देवाल ब्लॉक में देवाल–खेता मानमती समेत कई सड़कें बंद होने से 50 से अधिक वाहन बीच रास्ते में फंस गए।

एक नजर

धारी देवी मंदिर में लगातार घट रही श्रद्धालुओं की संख्या

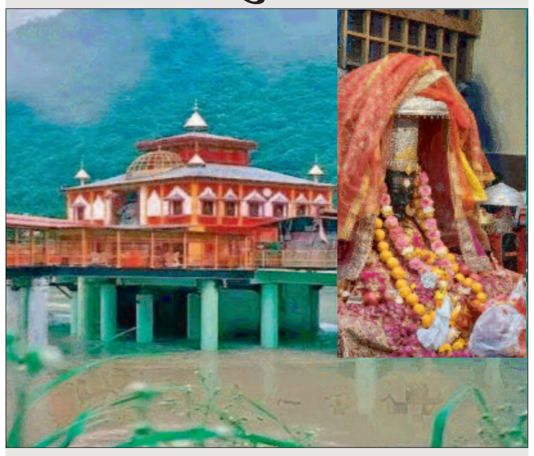

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा की रफ्तार धीमी पड़ते ही कलियासौड़ स्थित प्रसिद्ध मां धारी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में भी लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। यात्रा के चरम समय में जहां मंदिर परिसर सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं से भरा रहता था, वहीं अब पहले जैसी भीड़ दिखाई नहीं दे रही है। मंदिर के पुजारी लक्ष्मी प्रसाद पांडे ने बताया कि इस वर्ष चारधाम यात्रा के दौरान मां धारी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या ने पिछले वर्षों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। यात्रा के पीक सीजन में प्रतिदिन करीब 20 हजार श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे थे। वर्तमान में यह संख्या घटकर प्रतिदिन तीन हजार से साढ़े तीन हजार के बीच रह गई है। पुजारी पांडे के अनुसार पिछले एक सप्ताह से श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार कमी आ रही है। पहले राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मंदिर प्रवेश द्वार से लेकर मुख्य मंदिर तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहती थीं और शाम की आरती तक भारी भीड़ बनी रहती थी। अब मंदिर परिसर में पहले जैसी चहल-पहल नहीं दिखाई दे रही है। यात्रा सीजन में व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिर समिति को अतिरिक्त इंतजाम करने पड़े थे। सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए अलग से कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। इस दौरान पुलिस प्रशासन का भी पूरा सहयोग मिला, जिससे श्रद्धालुओं को सुचारु रूप से दर्शन कराए जा सके। (एजेंसी)

किसानों को दुधारू पशु खरीदने को मिलेगा बिना ब्याज 50 प्रतिशत ऋण

श्रीनगर गढ़वाल : पर्वतीय क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देने और ग्रामीण आर्थिकी को मजबूत करने के लिए स्थानीय बहुउद्देशीय सहकारी समिति एक अहम कदम उठाने जा रही है। समिति के निदेशक कुशलानाथ ने बताया कि किसानों को दिए जाने वाले शून्य प्रतिशत ब्याज ऋण का 50 फीसदी हिस्सा केवल दुधारू पशु (गाय-भैंस) खरीदने के लिए आरक्षित करने का प्रस्ताव आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सहकारिता के माध्यम से पशुपालन, मशरूम और मत्स्य पालन के लिए बिना ब्याज का कर्ज दे रही है। पहाड़ों में पशुपालन सबसे लाभकारी व्यवसाय है। दूध की बढ़ती मांग के बीच आसान ऋण मिलने से दुग्ध उत्पादन और किसानों की आय, दोनों में भारी इजाफा होगा। इसके अलावा, पशुपालन की लागत कम करने के लिए सरकार साइलेज फेडरेशन के जरिये पशुपालकों को सब्सिडी पर पैक्ड साइलेज (पोषक चारा) भी मुहैया करा रही है। (एजेंसी)

लटकते और बेकार पड़े तारों को हटाने और कटवाने का अभियान शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम के वार्ड संख्या 28 आम्रकुंज-रगड़ा में लटकते केबल, इंटरनेट फाइबर और डिश टीवी के तारों को दो दिन के भीतर व्यवस्थित करने की चेतावनी देने के बावजूद संबंधित एजेंसियों ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। ऐसे में सोमवार को वार्ड पार्षद जेपी बिष्ट खुद मौके पर पहुंच गए और लटकते व बेकार पड़े तारों को हटाने और कटवाने का अभियान शुरू कराया। पार्षद ने बताया कि वार्ड के कई बिजली पोलों पर आठ से दस केबल और फाइबर तारों का झुंड लटका हुआ है। कई कंपनियां पुराने तार छोड़कर नए तार डाल चुकी हैं, लेकिन अनुपयोगी केबल आज भी पोलों और सड़कों पर वैसे ही लटके हैं। इससे जगह-जगह तारों का जाल बन गया है, जो लोगों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर तार इतने नीचे लटक रहे हैं कि राहगीरों को झुककर निकलना पड़ रहा है। दोपहिया वाहन चालक और स्कूली बच्चे भी इससे परेशान हैं। जनसुरक्षा को देखते हुए अब बेकार और अनुपयोगी तारों को काटने का अभियान शुरू कर दिया गया है। (एजेंसी)

बीरोंखाल में 4.48 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : चौबट्टाखाल विधायक एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को बीरोंखाल विकासखंड के दौरे के दौरान विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने करीब 4.48 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात क्षेत्रवासियों को दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत आयोजित समारोह में मंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 4.04 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले खलधार-ठंगा मोटर मार्ग का भूमि पूजन किया। इसके अलावा 44 लाख रुपये की लागत से डुलमोट, चंदेली, कदोला, तैलीपखोली और जाखणी ग्राम सभाओं में पंचायत भवनों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का शिलान्यास तथा लोकार्पण भी किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सतपाल महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बीते पांच वर्षों में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने, नकल विरोधी कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून, महिलाओं को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण और ह्यलखपति दीदीह्न जैसी योजनाएं राज्य की प्रमुख उपलब्धियां हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत लगभग 14 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली उफरैखाल-भत्यो-बूंगीधार-कमलिया वल्ला मोटर मार्ग को स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं सरायखेत-जोगीमणी मोटर मार्ग से कमलिया पल्ला तक वन भूमि से संबंधित अड़चनों को दूर कर निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाएगा। दौरे के दौरान मंत्री ने विकासखंड मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने भाजपा मंडल कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेते हुए संगठन को मजबूत बनाने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा युवा नेता सुयश रावत, जिलाध्यक्ष कमल किशोर, मंडल अध्यक्ष ओमपाल, जिला मंत्री बृजमोहन, जिला उपाध्यक्ष मैत्री प्रकाश, दलीप सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते काबीना मंत्री सतपाल महाराज

तीन अगस्त से शुरू होगी भर्ती रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : 130 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) पर्यावरण कुमाऊं की ओर से पूर्व सैनिकों और पात्र अभ्यर्थियों के लिए 3 से 8 अगस्त तक भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। टीए की ओर से जारी पत्र में बताया कि भर्ती कार्यक्रम के अनुसार भर्ती पिथौरागढ़ के देवकठिया मैदान में आयोजित होगी। 3 अगस्त को अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच की जाएगी, 4 अगस्त को शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी। सफल अभ्यर्थियों का 5 से 8 अगस्त तक मेडिकल व साक्षात्कार किया जाएगा। जिसमें सिपाही (सामान्य ड्यूटी) समेत विभिन्न ट्रेडों के पदों पर भर्ती की जाएगी। सिपाही के पद के लिए केवल उत्तराखंड निवासी पात्र होंगे, जबकि अन्य ट्रेडों के लिए देशभर के भूतपूर्व सैनिक व ट्रेड्समैन आवेदन कर सकेंगे।

बरसात ने बढ़ाई चुनौती, नदी में फंसे वाहन

लालढांग-चिल्लरखाल के मध्य सिगड्डी स्रोत में फंसे वाहनों को निकालते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मंगलवार को हुई वर्षा से चिल्लरखाल-लालढांग मार्ग के बीच बहने वाले बरसाती स्रोत उफान पर आ गए। तेज जलप्रवाह के कारण इस मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा। सिगड्डी स्रोत में कई दोपहिया वाहन भी फंस गए थे। आसपास मौजूद लोगों ने एकजुट होकर इन वाहनों को नदी से बाहर निकाला।

स्थानीय जनता पिछले कई दशकों को लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठा रही है। इसके लिए बकायदा चिल्लरखाल वन चौकी के समीप आंदोलन भी चल रहा है। ऐसे में वर्षा ने अब इस मार्ग मार्ग पर आवागमन की चुनौतियों को बढ़ा दिया है। मंगलवार सुबह अचानक मार्ग के मध्य पड़ने वाले बरसाती रपटों का वेग बढ़ गया। ऐसे में कई घंटे तक मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा। कई लोगों ने सिगड्डी स्रोत से जबरन अपने दोपहिया वाहनों को निकालने का प्रयास किया। लेकिन, उनके वाहन बीच नदी में ही फंस गए। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद इन वाहनों को नदी पार करवाई। वर्षाकाल में लोगों की नदी पार करने की जिद्द उनके जीवन पर भारी पड़ सकती है। स्थानीय लोगों ने कहा कि वह लगातार मार्ग निर्माण की मांग उठा रहे हैं। लेकिन, सिस्टम लापरवाह बना हुआ है। यदि इन स्रोतों व नदियों के बीच पुल बन जाते तो लोगों को आवागमन में परेशानी न होती। ऐसे में अब वर्षाकाल में भाबर क्षेत्र से लालढ़ाग वासियों का संपर्क पूरी तरह कट जाएगा।

दो सालों में पूरी तरह बदला श्रीनगर का बाजार, खुले मॉल और शोरूम

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल के मुख्य केंद्र श्रीनगर और इसके आसपास के इलाकों का व्यावसायिक परिदृश्य बीते दो सालों में पूरी तरह बदल चुका है। श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उफल्डा से लेकर श्रीकोट तक इन दिनों ब्रांडेड शोरूम और मॉल लगातार खुल रहे हैं। महज दो वर्ष के भीतर इस क्षेत्र में लगभग 15 से 20 बड़े मॉल और नामी कंपनियों के शोरूम खुल चुके हैं। व्यावसायिक विस्तार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कभी शांत रहने वाले श्रीकोट में पहले जहां सिर्फ एक मॉल था, वहीं हाल ही में एक और बड़ा मार्ट खुल चुका है। एजेंसी मोहल्ले से लेकर बांसवाड़ा तक और श्रीनगर मुख्य बाजार से उफल्डा तक नामी कंपनियों के फुटवियर, गारमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक्स के बड़े शोरूम खुल चुके हैं। यही नहीं, कमलेश्वर क्षेत्र में भी कुछ नए आउटलेट्स खुलने की तैयारी में हैं। पहाड़ के इस उभरते शहर में ग्राहकों को खींचने के लिए इन शोरूम्स द्वारा तगड़ी प्रतिस्पर्धा की जा रही है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/II मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	121-DRM-MB-26-27 Date 06.07.2026	122-DRM-MB-26-27 Date 06.07.2026
कार्य का नाम	Standardization of turnout and maintenance of track in KKJ-KUF yard of SSE/Pway/HRI & SAN under ADEN-I/HRI	Standardization of turnout and maintenance of track in ON-BLM & BLM-SPC of SSE/Pway/SFPR & BLM under ADEN-II/HRI
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	31.07.2026 16:00	31.07.2026 16:00
अनुमानित लागत (रु.)	91,83,383.26	82,94,698.21
धरोहर राशि (रु.)	1,83,700.00	1,65,900.00
टेन्डर कॉस्ट	0.00	0.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	17.07.2026	17.07.2026
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	06 माह

सं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 06.07.2026 2315/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

प्रधानाचार्य की डिग्रियों को बताया फर्जी, एसआईटी जांच की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : एकेश्वर ब्लॉक के इंटर कॉलेज इंदिरापुरी के प्रधानाचार्य की शैक्षणिक डिग्रियों को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। युवा बेरोजगार संघ ने प्रधानाचार्य की डिग्रियों को फर्जी बताते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर भी मामले में मिलीभगत होने का आरोप लगाया। चेतावनी दी कि यदि प्रधानाचार्य को तत्काल पद से हटाकर निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो विभाग की मिलीभगत की आशंका और मजबूत होगी। युवा बेरोजगार संघ ने मंगलवार को प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी अंशुल बिष्ट से मुलाकात की और पूरे मामले की एसआईटी से जांच कराने की मांग की। संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल ने बताया कि करीब दो माह पहले मामले की शिकायत शिक्षा विभाग से की गई थी। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत प्रधानाचार्य की डिग्रियों की प्रतियां मांगी गईं, लेकिन विभाग ने बिना प्रमाणित प्रतियां उपलब्ध कराईं। उनका आरोप है कि इससे विभाग की भूमिका भी संदेह के घेरे में आती है। उन्होंने कहा कि दो महीने बीतने के बावजूद विभाग ने मामले में कोई ठोस जांच शुरू नहीं की। संबंधित विश्वविद्यालयों से डिग्रियों के सत्यापन के लिए भी पत्राचार नहीं किया गया। आशंका जताई कि कार्रवाई में देरी से प्रधानाचार्य फर्जी दस्तावेज तैयार कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग पहले भी प्रधानाचार्य को दो बार जांच के लिए तलब कर चुका है, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए। इस मौके संघ के उपाध्यक्ष सुरेश सिंह, राकेश गौरशाली, नमन चंदोला, मातंग मलासी आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आंमत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	116-DRM-MB-26-27 Dt. 06.07.2026	109-DRM-MB-26-27 Dt. 02.07.2026
कार्य का नाम	Provision of RCC toe wall between Bridge 33A 1 and Br. 33, Boundary wall at RHS from KM 1.200 to 1.450 and KM 1.500 to 2.450, Pucca drain from KM 1.650 to 2.450, Central drain between Br. 197 to Br. 198, RCC toe wall between KM 5.750 to KM 5.950 both side, drain between tracks and Drain on slope yard at back side of Platform wall in JHABRERA and BANHERA KHAS yard, Drain at Br. 72 & Br. 58 (LHS along to chak road U-Wall) and Rectification of deficiencies in station building and staff quarters in RK-DBD Line in the section of SSE/W/RK under ADEN/RK.	Provision of 3 M wide FOB alongwith ramps & provision of high level platform at Doiwala (PF-1 & 2) under ADEN/HW.
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत (रु.)	5,54,40,003.22	4,50,88,518.84
धरोहर राशि (रु.)	11,08,800.00	9,01,800.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	30.07.2026 16:00	30.07.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	16.07.2026	16.07.2026
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	06 माह

नं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 06.07.2026 2326/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में बंद मकानों की रेकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का कोटद्वार पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक कार, दो मोटर साइकिल और 13 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरोह का एक अन्य सदस्य अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस दिल्ली और उत्तर प्रदेश में दबिश दे रही है। गिरोह का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पांच हजार रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि दो जुलाई को गाड़ीघाट निवासी उमेश चंद बमोली ने तहरीर देकर बताया था कि गर्मी की छुट्टियों में परिवार सहित गांव जाने के दौरान उनके बंद मकान का ताला तोड़कर चोर लाखों रुपये के आभूषण और नकदी चोरी कर ले गए। सूचना पर पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर आरोपितों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गाजियाबाद के इलायचीपुर निवासी मोहित, बरेली के उस्मानपुर निवासी कासिफ, दिल्ली के गौतमपुरी (उस्मानपुर) निवासी आसिफ और बदायूं जिले के निवासी आमिर को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दिल्ली के उस्मानपुर निवासी आरिफ अभी फरार है। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि गाड़ीघाट से चोरी किए गए आभूषण उन्होंने मात्र 15 हजार रुपये में बेच दिए थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 13 हजार रुपये नकद भी बरामद किए हैं।

बाइक चोरी कर करते थे रेकी

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य पहले कार से शहर में पहुंचते थे। इसके बाद वे मोटर साइकिल चोरी कर उसी से गली-मोहल्लों में घूमकर बंद मकानों की रेकी करते थे। रात होने पर चिन्हित मकानों में चोरी की वारदात को अंजाम देते और पुलिस को भ्रमित करने के लिए चोरी की मोटर साइकिल को घटना स्थल के आसपास छोड़कर कार से फरार हो जाते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी ने हाल ही में ऊधमसिंह नगर जिले के किच्छा क्षेत्र में भी चोरी की घटना को अंजाम दिया था। वहां से चोरी की गई एक मोटर साइकिल भी पुलिस ने बरामद कर ली है।

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण ईकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी

अल्पकालीन निविदा सूचना

पत्रांक 817 / जी0-05 / 43 दिनांक - 07.07.2026

अध्यक्ष उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्यों की मुहरबन्द निविदाऐं उत्तराखण्ड पेयजल निगम में भवन निर्माण कार्यों में डी0 एवं उच्चतर श्रेणी के ठेकेदारों से दि0 22.07.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी, में आमंत्रित की जाती है, जो दि0 22.07.2026 को परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी के कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारों एवं उनके प्रतिनिधियों के समक्ष अपरान्ह 3:30 बजे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 21.07.2026 तक किसी भी कार्य दिवस एवं कार्यालय समय में उपरोक्त वर्णित कार्यालय से, परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी के पदनाम के खाता संख्या 1370000102115654 (पंजाब नेशनल बैंक, पौड़ी) में निविदा प्रपत्र मूल्य जमा कर प्राप्ति रसीद प्रस्तुत करने के पश्चात, बिक्रय हेतु उपलब्ध हैं। निविदा के साथ जी0एस0टी0 में पंजीकरण की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

क्र0 सं0	योजना का नाम	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 सहित	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	4	5	6	7
1	ब्लॉक पौड़ी के अन्तर्गत रा0इं0कॉ0 उज्याड़ी में फिजिक्स लैब का निर्माण कार्य।	2000+360 = 2360	0.66	45 दिन	03 माह
2	ब्लॉक पौड़ी के अन्तर्गत रा0इं0कॉ0 घिण्डवाडा में आर्ट एण्ड क्राफ्ट रूम का निर्माण कार्य।	1500+270 = 1770	0.56	45 दिन	03 माह
3	ब्लॉक कल्जीखाल के अन्तर्गत रा0इं0कॉ0 साकिनखेत में कम्प्यूटर रूम का निर्माण कार्य।	1500+270 = 1770	0.56	45 दिन	03 माह

''जल संचय-जीवन संचय'' ''कृपया जल श्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये''

''जल श्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये'' ''जल श्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है''

नोट :- नियम व शर्तें कार्यालय नोटिस बोर्ड एवं कार्यालय समय में देखी एवं प्राप्त की जा सकती है।

(वीरेन्द्र प्रसाद)
परियोजना प्रबन्धक

संपादकीय

कांवड़ यात्रा की चुनौतियां

कावड़ यात्रा की शुरुआत 30 जुलाई से घोषित कर दी गई है। लगभग 15 दिन तक हरिद्वार एवं ऋषिकेश में कावड़ियों की भीड़ और "जय भोले" का शंखनाद सुनाई देगा। लाखों करोड़ों की भीड़ और उनको नियंत्रित करने के लिए सरकार की तैयारी किसी बड़ी भारी चुनौती से काम नही है। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विशाल जनसमूह है। उत्तराखंड के हरिद्वार, ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्रों से गंगाजल लेने के लिए देशभर से कांवड़िए पहुंचते हैं। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या आने की संभावना है, ऐसे में उत्तराखंड सरकार के सामने व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखना एक बड़ी परीक्षा होगी। हाल के वर्षों में कांवड़ यात्रा का स्वरूप लगातार बड़ा हुआ है और भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा तथा यातायात नियंत्रण जैसी चुनौतियाँ पहले से अधिक जटिल हो गई हैं।

कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार और ऋषिकेश में लाखों श्रद्धालु एक साथ पहुंचते हैं। सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उनकी धार्मिक भावनाओं का सम्मान भी किया जाए। सबसे बड़ी समस्या यातायात व्यवस्था को लेकर है और अक्सर इसे लेकर ही विवाद देखने को मिलते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों और शहरों की सड़कों पर भारी दबाव पड़ता है। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और कांवड़ियों के बीच यातायात संतुलित रखना प्रशासन के लिए कठिन कार्य होता है। छोटी–छोटी बातों पर कवड़ियों का नियंत्रण से बाहर होना एक बड़ी चिंता का विषय है। कांवड़ियों की भीड़ में छिपे असामाजिक तत्वों की गतिविधियों, आपसी विवादों अथवा अफवाहों पर नियंत्रण रखना पुलिस और प्रशासन की बड़ी जिम्मेदारी है। आधुनिक निगरानी प्रणाली, सीसीटीवी और ड्रोन जैसी तकनीकों का प्रभावी उपयोग आवश्यक होगा। मानसून के चरम समय में कावड़ का आयोजन होता है लिहाजा ऐसे समय में कॉमेडीयों की सुरक्षा को लेकर एक ठोस नीति बनाने की जरूरत है। ऐसे में सरकार को आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह सतर्क रखना होगा। लाखों श्रद्धालुओं के आगमन से स्वच्छता बनाए रखना बड़ी चुनौती बन जाता है। अस्थायी शौचालय, पेयजल, चिकित्सा शिविर और सफाई व्यवस्था पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराना आवश्यक है। किसी भी संक्रमक बीमारी या खाद्य विषाक्तता की स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग को विशेष तैयारी रखनी होगी। कावड़ यात्रा संपन्न होने के बाद हरिद्वार और ऋषिकेश की जो स्थिति नजर आती है वह काफी परेशान करती है।गंगा तटों और यात्रा मार्गों पर प्लास्टिक कचरे तथा अन्य अपशिष्ट पदार्थों का अम्बार बन जाता। आस्था और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। स्वच्छ गंगा अभियान को सफल बनाने के लिए जनजागरूकता और सख्त निगरानी दोनों जरूरी हैं। कांवड़ यात्रा उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस बार भी धामी सरकार के सामने भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, मौसम जनित आपदाओं से निपटना, स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना तथा पर्यावरण संरक्षण जैसी अनेक चुनौतियाँ हैं। यदि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और श्रद्धालु भी नियमों का पालन करें, तो कांवड़ यात्रा सुरक्षित, व्यवस्थित और सफल बन सकती है। कांवड़ यात्रा की सफलता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इसमे जनसहभागिता भी अहम स्थान रखती है।

धर्म का धन : श्रद्धा की अमानत, स्वार्थ का साधन नहीं

श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

समाज की सबसे बड़ी शक्ति यदि कोई है, तो वह उसकी आस्था है। धन, सत्ता, ज्ञान और संसाधन समय के साथ बदल सकते हैं, परंतु जिस समाज की आस्था जीवित रहती है, वह समाज हर संकट से उबरने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि मंदिर, स्थानक, तीर्थ, उपाश्रय और धर्मस्थल केवल ईंट-पत्थरों से निर्मित भवन नहीं होते, बल्कि वे करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा, तप, त्याग और विश्वास के जीवंत केंद्र होते हैं।

एक श्रद्धालु जब धर्मस्थल में प्रवेश करता है, तो वह केवल पूजा करने नहीं आता; वह अपने मन की व्यथा, आशा, कृतज्ञता और विश्वास भी वहीं अर्पित करता है। उसकी दक्षिणा केवल मुद्रा नहीं होती, बल्कि उसकी मेहनत की कमाई, उसके परिवार का विश्वास और धर्म के प्रति उसका समर्पण होता है। इसलिए धर्मस्थलों में आने वाला प्रत्येक अंश समाज की अमानत है।

दुर्भाग्य तब उत्पन्न होता है, जब धर्म के नाम पर प्राप्त धन या संसाधनों का उपयोग धर्म के उद्देश्य से हटकर व्यक्तिगत लाभ, वैभव, प्रतिष्ठा या स्वार्थ के लिए होने लगे। यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं होती, बल्कि समाज की आस्था पर कुठाराघात होता है। जिस धन में हजारों श्रद्धालुओं की भावनाएँ जुड़ी हों, उसका दुरुपयोग केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि आत्मा और अंतरात्मा का भी विषय है।

इतिहास साक्षी है कि धर्म का धन कभी किसी को स्थायी सुख नहीं दे पाया। जो संपत्ति छल, विश्वासघात या धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके अर्जित होती है, वह बाहर से भले वैभव का प्रदर्शन करे, पर भीतर शांति नहीं दे सकती। भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि अनुचित साधनों से प्राप्त धन अंततः विनाश का कारण बनता है। धर्म के धन के संदर्भ में यह बात और भी अधिक सत्य प्रतीत होती है, क्योंकि उसमें केवल धन नहीं, असंख्य लोगों की श्रद्धा समाहित होती है। जैन दर्शन के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने मानवता को संयम, सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह का अमूल्य संदेश दिया। इनमें अपरिग्रह का सिद्धांत विशेष रूप से आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। अपरिग्रह का अर्थ केवल अधिक वस्तुएँ न रखना नहीं है; इसका वास्तविक अर्थ है–लोभ, स्वार्थ, संग्रह की मानसिकता और अधिकार के दुरुपयोग से स्वयं को मुक्त करना।

यदि धर्म से जुड़े व्यक्ति ही अपरिग्रह को भूल जाएँ और धर्म को संग्रह, प्रभाव या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का साधन बना लें, तो भगवान महावीर के संदेश का सार ही समाप्त हो जाता है। धर्म का उद्देश्य मनुष्य को बड़ा बनाना नहीं, बल्कि उसके अहंकार को छोटा करना है। धर्म हमें अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व सिखाता है; संग्रह नहीं, समर्पण सिखाता है; स्वार्थ नहीं, सेवा का मार्ग दिखाता है। धर्मस्थलों का निर्माण समाज के सहयोग से होता है। एक गरीब व्यक्ति अपनी छोटी-सी बचत से दान देता है, कोई किसान अपनी उपज का अंश अर्पित करता है, कोई व्यापारी अपनी आय का हिस्सा धर्मकार्य में लगाता है। सभी की भावना एक ही होती है–धर्म जीवित रहे, संस्कृति सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियाँ भी इन मूल्यों से जुड़ी रहें। ऐसे में यदि उस विश्वास को ठेस पहुँचती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज आहत होता है।

आज आवश्यकता आरोप लगाने या विवाद बढ़ाने की नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि की है। धर्मस्थलों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, ईमानदारी और उत्तरदायित्व के साथ होना चाहिए। आय-व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा, समाज के प्रति जवाबदेही और धर्म के उद्देश्य के अनुरूप संसाधनों का उपयोग–ये केवल प्रशासनिक व्यवस्थाएँ नहीं, बल्कि धार्मिक मर्यादाएँ हैं। समाज को भी यह समझना होगा कि धर्म की रक्षा केवल दान देने से नहीं होती, बल्कि धर्म की मर्यादाओं की रक्षा करने से होती है। जहाँ पारदर्शिता है, वहाँ विश्वास बढ़ता है; जहाँ विश्वास बढ़ता है, वहीं धर्म फलता-फूलता है। यदि कहीं त्रुटि दिखाई दे, तो उसका समाधान भी धर्मसम्मत, संयमित और संवादपूर्ण तरीके से होना चाहिए। कटुता, आरोप और वैमनस्य किसी भी धार्मिक वातावरण को शुद्ध नहीं बना सकते।

हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि व्यक्ति से बड़ा धर्म है, पद से बड़ी मर्यादा है और संस्था से बड़ी आस्था है। व्यक्ति बदल सकते हैं, व्यवस्थाएँ बदल सकती हैं, परंतु धर्म और उसकी प्रतिष्ठा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। यदि धर्म की पवित्रता सुरक्षित रहेगी, तो समाज का विश्वास भी अडिग रहेगा।

भगवान महावीर का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा वैभव संग्रह में नहीं, त्याग में है; अधिकार में नहीं, उत्तरदायित्व में है; और बाहरी संपत्ति में नहीं, अंतःकरण की निर्मलता में है। यही संदेश आज प्रत्येक धार्मिक संस्था, प्रत्येक पदाधिकारी और प्रत्येक श्रद्धालु के लिए समान रूप से प्रासंगिक है।

आइए, संकल्प लें कि धर्म को कभी स्वार्थ का साधन नहीं बनने देंगे। मंदिर, स्थानक और तीर्थ केवल भवन नहीं, हमारी आत्मा के प्रतीक हैं। उनकी पवित्रता, पारदर्शिता और मर्यादा की रक्षा करना हम सभी का नैतिक और धार्मिक कर्तव्य है। जब धर्म शुद्ध रहेगा, तभी समाज सुदृढ़ रहेगा; और जब आस्था सुरक्षित रहेगी, तभी संस्कृति अमर रहेगी।

पंजाब ने बड़ी कीमत देकर शांति पाई, सतलुज के जरिये पुराने जख्मों को कुरेदना गलत है

नीरज कुमार दुबे

पंजाब के अशांत दौर, राष्ट्रीय सुरक्षा और अभिव्यक्ति की बहस के बीच एक बार फिर विवादों के केंद्र में आई फिल्म सतलुज ने देशभर में तीखी बहस छेड़ दी है। अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है। लेकिन यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि पंजाब के उस संवेदनशील और खून से सने दौर की कहानी को दोबारा सामने लाने की कोशिश है, जब आतंकवाद, अलगाववाद और सीमापार से प्रायोजित हिंसा ने पूरे राज्य को भय और अस्थिरता में धकेल दिया था। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर इस फिल्म को भारत में ओटीटी मंच से हटाने का फैसला न केवल उचित दिखाई देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी जिम्मेदार लोकतंत्र का कर्तव्य होता है।

हम आपको बता दें कि यह फिल्म पहले घल्लूघारा नाम से शुरू हुई थी। बाद में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की आपत्तियों के बाद इसका नाम पंजाब-95 रखा गया और अंततः इसे सतलुज नाम से प्रदर्शित किया गया। फिल्म की विषयवस्तु पंजाब पुलिस के आतंकवाद विरोधी अभियान और उस दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघनों पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि जसवंत सिंह खालड़ा ने 1984 से लेकर 1994 के बीच हजारों अज्ञात शवों के कथित अंतिम संस्कार के मामलों की जांच की थी। बाद में उनका खुद का अपहरण हुआ और उनकी हत्या कर दी गई। अदालत ने इस मामले में कुछ पुलिसकर्मियों को दोषी भी ठहराया था।

देखा जाये तो इन तथ्यों से किसी को इंकार नहीं हो सकता कि पंजाब ने उस दौर में अत्यंत पीड़ा झेली। हजारों निर्दोष लोग मारे गए, परिवार उजड़ गए और भय का वातावरण पूरे राज्य पर छाया रहा। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, उनके दर्द के प्रति संवेदना व्यक्त करना हर संवेदनशील समाज का दायित्व है। लेकिन इसके साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि उस समय पंजाब किस परिस्थिति से गुजर रहा था, इसे भी ईमानदारी से समझा जाए। सीमापार से आतंकवाद को खुला समर्थन मिल रहा था। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां पंजाब को अस्थिर करने के लिए सक्रिय थीं। अलगाववादी संगठन खुलेआम हथियारबंद हिंसा चला रहे थे। पुलिसकर्मियों, पत्रकारों, नेताओं और आम नागरिकों की हत्याएं रोजमर्रा की खबर बन चुकी थीं।

ऐसे भयावह दौर में पंजाब पुलिस ने जिस कठोर अभियान को चलाया, उसी के कारण राज्य धीरे धीरे सामान्य स्थिति में लौट सका। उस समय के पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल को लेकर आज अलग अलग राय हो सकती है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि अगर पंजाब पुलिस और सुरक्षा बल कठोर कार्रवाई नहीं करते, तो शायद पंजाब आज भी आतंकवाद की आग में झुलस रहा होता। जिन्होंने उस दौर को अपनी आंखों से देखा है, वह जानते हैं कि हालात कितने गंभीर थे। केपीएस गिल और उनकी टीम ने आतंकवाद के खिलाफ जो अभियान चलाया, उसी ने पंजाब को अलगाववाद और बंदूक की राजनीति से बाहर निकालने में निर्णायक भूमिका निभाई। आज कुछ राजनीतिक दल और कथित बुद्धिजीवी पुलिसिया कार्रवाई को केवल एकतरफा तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उस समय पंजाब में किस दल की सरकार थी। उस समय राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सत्ता किसके हाथ में थी और निर्णय कहां से लिए जाते थे, यह इतिहास का हिस्सा है। साथ ही जो लोग आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई दे रहे हैं, उन्हें अपने अतीत में भी झांकना चाहिए। खासतौर पर कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि आपातकाल के दौरान देश की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्यों कुचल दी गई थी? अखबारों पर सेंसरशिप क्यों लगाई गई थी? विपक्षी नेताओं को जेलों में क्यों डाला गया था? यदि आज कोई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर कोई कदम उठाती है, तो उसे तानाशाही कहना इतिहास के साथ अन्याय होगा। इसी के साथ पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जिस तरह उसके कुछ नेता सतलुज फिल्म के पक्ष में खुलकर बयान दे रहे हैं, उससे यह आशंका भी पैदा होती है कि कहीं यह प्रयास राज्य सरकार की कथित नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने की रणनीति तो नहीं है। कहीं आम आदमी पार्टी यह तो नहीं चाहती कि विधानसभा चुनावों में उसके कामकाज की बजाय इतिहास की घटनाएं ही मुद्दा बन जायें? सभी को यह समझना होगा कि इतिहास से सीख लेना आवश्यक है, लेकिन इतिहास को वर्तमान पर इस तरह हावी कर देना कि भविष्य ही प्रभावित होने लगे, किसी भी राज्य और समाज के लिए उचित नहीं माना जा सकता। पंजाब को आज विकास, रोजगार, नशे के खिलाफ कड़े कदम और कानून व्यवस्था सुधारने जैसे वास्तविक मुद्दों पर आगे बढ़ने की जरूरत है, न कि पुराने घावों को बार बार कुरेदकर राजनीतिक लाभ लेने की। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि पंजाब कोई सामान्य राज्य नहीं, बल्कि देश का सीमावर्ती और अत्यंत संवेदनशील प्रदेश है। यहां के सामाजिक और धार्मिक तानेबाने को बिगाड़ने की कोशिशें पहले भी होती रही हैं और आज भी दुश्मन ताकतें मौके की तलाश में रहती हैं। ऐसे में पुराने घावों को इस प्रकार कुरेदना, जिससे समाज में नई वैमनस्यता पैदा हो, बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि किसी भी संवेदनशील विषय को बिना व्यापक सामाजिक परिणामों पर विचार किए प्रस्तुत कर दिया जाए।

फिल्म के प्रदर्शन को लेकर जिस प्रकार विवाद बढ़ा, उसने यह भी दिखाया कि ओटीटी मंचों के लिए स्पष्ट और कठोर नियमों की आवश्यकता है। फिल्म को केंद्रीय प्रमाणन बोर्ड ने अनेक कट लगाने के सुझाव दिए थे। पहले 21 कट और बाद में 120 से अधिक संशोधनों की बात सामने आई। इसके बावजूद फिल्म निमार्ताओं ने नया नाम देकर इसे ओटीटी मंच पर जारी कर दिया। ऐसे में सरकार द्वारा हस्तक्षेप करना स्वाभाविक था। यदि किसी सामग्री से सामाजिक तनाव या अलगाववादी भावनाओं को हवा मिलने की आशंका हो, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह समय रहते कदम उठाए।

दिलचस्प बात यह भी रही कि अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने स्वयं पहले ही आशंका जता दी थी कि फिल्म को भारत में हटाया जा सकता है। बाद में उन्होंने लोगों से इसे डाउनलोड कर दूसरों को दिखाने की अपील भी की। यह रवैया कई सवाल खड़े करता है। जब मामला इतना संवेदनशील हो, तब जिम्मेदार कलाकारों को समाज में शांति और संतुलन बनाए रखने का संदेश देना चाहिए, न कि विवाद को और भड़काने वाला व्यवहार करना चाहिए। यह सही है कि इतिहास के कठिन अध्यायों पर चर्चा होनी चाहिए। पीड़ितों को न्याय और सम्मान मिलना चाहिए। लेकिन किसी भी चर्चा का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि सीख देना होना चाहिए। पंजाब ने बहुत खून बहते देखा है। वहां की नई पीढ़ी शांति, विकास और भाईचारे के साथ आगे बढ़ना चाहती है। ऐसे समय में किसी भी प्रकार की ऐसी प्रस्तुति, जिससे अलगाववादी मानसिकता को बल मिले या सुरक्षा बलों के मनोबल पर आघात पहुंचे, उसे गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। बहरहाल, सरकार का निर्णय इसी व्यापक राष्ट्रीय हित और सुरक्षा के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी ऊपर राष्ट्र की एकता, सामाजिक सद्भाव और सीमावर्ती राज्यों की स्थिरता है। पंजाब ने कठिन संघर्ष के बाद शांति हासिल की है।

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी।

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए

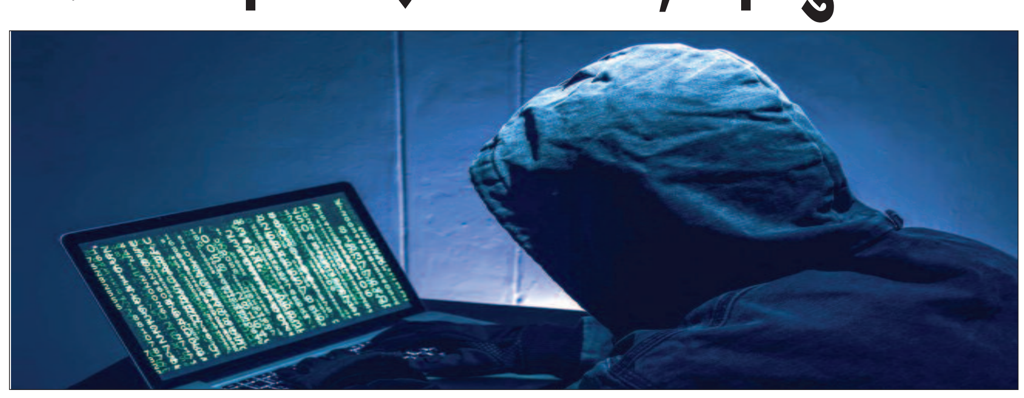

जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरूआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है।

अंततः डिजिटल क्रांति का वास्तविक उद्देश्य केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसकी सफलता अधूरी रह जाएगी। डिजिटल भारत की वास्तविक शक्ति उसके ऐप्स, सर्वरों और आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित है, जिसके साथ करोड़ों नागरिक प्रतिदिन अपने मोबाइल पर एक-एक लेन-देन करते हैं। आज आवश्यकता केवल तकनीकी समाधान की नहीं, बल्कि तकनीक, नैतिकता, कानून और उत्तरदायित्व के समन्वित मॉडल की है। सरकार को कठोर कानून, त्वरित न्याय और सक्षम जांच तंत्र विकसित करना होगा, डिजिटल कंपनियों को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा, वित्तीय संस्थानों को सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ानी होगी और नागरिकों को डिजिटल अनुशासन अपनाना होगा। साइबर अपराध और भारतीय डिजिटल जीवनशैली के बीच संतुलन ही विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी है। यदि यह संतुलन स्थापित हो गया, तो डिजिटल भारत विश्व का सबसे विश्वसनीय डिजिटल लोकतंत्र बन सकता है, अन्यथा तकनीकी उपलब्धियां भी अविश्वास के बोझ तले दम तोड़ देंगी।

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय सहयोग के विषयों पर चर्चा की

दोहा , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी से मुलाकात की और ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क और सुरक्षा समेत आपसी सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा की. जयशंकर पांच से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के दौरे पर हैं. खाड़ी देशों का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच टकराव खत्म करने के समझौते के बाद पश्चिम एशिया में राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं. जयशंकर ने कतर में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कतर के प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया. जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं, खासकर ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क, सुरक्षा और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंधों की समीक्षा की. साथ ही, अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के नए अवसरों पर भी चर्चा की. ' जयशंकर ने प्रधानमंत्री अल-थानी के साथ पश्चिम एशिया के संघर्ष और उसके असर के बारे में भी चर्चा की; अल-थानी कतर के विदेश मंत्री भी हैं. अपनी मौजूदा यात्रा के दौरान, जयशंकर खाड़ी क्षेत्र के चार देशों के अपने समकक्षों और शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे. इस दौरान वे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे. हफ्तों तक बढ़ते तनाव के बाद ईरान में युद्धविराम कराने के लिए पाकिस्तान के साथ-साथ कतर और ओमान भी मध्यस्थ के तौर पर सामने आए. शुक्रवार से शुरू हुए ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के हफ्ते भर चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम के बाद, दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत जारी रहेगी. खाड़ी के चार देशों का दौरा करने के बाद, जयशंकर 13 जुलाई को न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे. इसके बाद, वे 14-15 जुलाई को ब्रसेल्स में तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में शामिल होंगे और ईयू तथा बेल्जियम के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ लंदन में फूटा कश्मीरियों का गुस्सा

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की सड़कें सोमवार को पाकिस्तान विरोधी नारों से गूंज उठीं। यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले हजारों कश्मीरियों ने 'लंदन कश्मीर मिलियन मार्च' के जरिए पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन और दमनकारी नीतियों के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। यह विशाल मार्च पार्लियामेंट स्क्वायर से शुरू होकर लंदन स्थित पाकिस्तानी हाई कमीशन तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने न केवल आजादी के समर्थन में नारे लगाए, बल्कि [illegible] में जारी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और स्थानीय जनता पर हो रहे सैन्य अत्याचारों को लेकर पाकिस्तानी हुकूमत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की। जम्मू-कश्मीर नेशनल इंडिपेंडेंस अलायंस के चेयरमैन महमूद कश्मीरी ने इस मार्च का नेतृत्व करते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। पाकिस्तानी हाई कमीशन के बाहर जमा हजारों लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में कश्मीरी पाकिस्तानी फोर्सेज के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं। हम जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ अपना आंदोलन तब तक जारी रखेंगे जब तक हक नहीं मिल जाता। हम किसी भी स्थिति में पाकिस्तान की हुकूमत के सामने घुटने नहीं टेकेंगे। प्रदर्शनकारियों ने 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रमुख शौकत नवाज मीर और अन्य कश्मीरी नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की। गौर करने वाली बात यह है कि पिछले कुछ समय से इस्लामाबाद पर आरोप लग रहे हैं कि वह पीओजेके में सरकार विरोधी जनआंदोलन को दबाने के लिए लगातार अमानवीय और सख्त कदम उठा रहा है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने इन गिरफ्तारियों को कश्मीरियों की लोकतांत्रिक आवाज को कुचलने की कोशिश करार दिया। लंदन में हुए इस 'मिलियन मार्च' ने यह साफ कर दिया है कि पीओजेके का मुद्दा अब केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

ईंधन खजाने पर बैठे रूस में तेल-गैस की किल्लत! 18-18 घंटे लगानी पड़ रही लाइन

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन पिछले पांच साल से एक-दूसरे से जंग लड़ रहे हैं। इसी बीच इस युद्ध से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस बड़ी संख्या में तेल खरीद रहा है। ऐसे में लोग ये सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश आज खुद तेल आयात क्यों कर रहा है? रिपोर्ट के मुताबिक, रूस इस समय तेल की कमी से जूझ रहा है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि कई इलाकों में लोगों को सीमित मात्रा में ही ईंधन मिल रहा है। ऐसे में सवाल आता है कि जो रूस कल तक पूरी दुनिया को तेल बेचता था उसके साथ ऐसा क्या हो गया कि वो आज तेल खरीदने को मजबूर हो गया है? इसमें अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका है?

यूक्रेन ने तबाह की रिफाइनरी : रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस में उत्पन्न हुई ईंधन संकट के पीछे सबसे बड़ा हाथ यूक्रेन की ओर से लगातार हो रहे ड्रोन हमलों का है। जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन मार्च 2026 से अब तक लगातार ड्रोन हमलों के जरिए रूस की तेल रिफाइनरियों और तेल भंडारण केंद्रों को निशाना बना रही है। यूक्रेन हमलों में रूस की आधी से ज्यादा रिफाइनरियां या तो बंद हो गई हैं या फिर उनके उत्पादन क्षमता में गिरावट आई है। इससे रूस को आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस की 10 सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से 8 पर हमले हो चुके हैं। हाल ही में 4 जुलाई को यूक्रेन ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित एक बड़ी रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.25 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पाद तैयार करती है। लगातार हमलों की वजह से रूस की कुल तेल रिफाइनिंग क्षमता में लगभग 42.7 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका : रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस की इस स्थिति में अमेरिका-ईरान युद्ध की भी भूमिका है। दरअसल अमेरिका और इजरायल के खिलाफ युद्ध के दौरान ईरान ने सिर्फ इनके सैन्य ठिकानों पर हमले किए, बल्कि मिडिल ईस्ट के देशों में मौजूद तेल रिफाइनरियों पर भी हमले किए। इसके परिणाम स्वरूप पूरी दुनिया में तेल संकट पैदा हो गया। इसके अलावा मिडिल ईस्ट के देशों की आय का बड़ा हिस्सा तेल बेचने से ही आता है, जो अमेरिका के सहयोगी भी हैं। ऐसे में इन देशों ने न केवल अमेरिका पर युद्ध रोकने का दबाव बनाया। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ समजौता करने पर लगभग मजबूर कर दिया।

यूक्रेन भी ईरान की इसी रणनीति को अब रूस के खिलाफ अपना रहा है। क्योंकि यूक्रेन को पता है कि आमने-सामने की लड़ाई में रूस को हरा पाना नामुमकिन है। साथ ही रूस को तब तक समझौता करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जब तक वो आर्थिक रूप से मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन ईरान की तरह रूस के तेल रिफाइनरियों पर हमला कर रहा है। ताकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को समझौता करने के लिए मजबूर किया जा सके। कई लोगों के मन में सवाल है कि रूस जैसी सैन्य महाशक्ति यूक्रेन के ड्रोन हमलों को रोकने में सफल क्यों नहीं हो रही है। इसके पीछे कई कारण हैं।

यूक्रेन के सस्ते और आधुनिक ड्रोन: यूक्रेन के कई ड्रोन अपेक्षाकृत कम लागत वाले हैं और जमीन से बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हैं। इसी वजह से रूस की महंगी एयर डिफेंस प्रणाली, जैसे स-400, उन्हें समय पर पहचान नहीं पाती। रूस का विशाल भूभाग है: दुनिया का सबसे बड़ा देश होने के कारण उसकी हर रिफाइनरी, तेल डिपो और ऊर्जा केंद्र की सुरक्षा करना आसान नहीं है। हर जगह एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करना संभव नहीं हो पाता।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंध: इन प्रतिबंधों की वजह से रूस को कई जरूरी विदेशी मशीनें और उपकरण नहीं मिल पा रहे हैं, जिनकी जरूरत रिफाइनरियों की मरम्मत के लिए होती है। इसलिए क्षतिग्रस्त संयंत्रों को जल्दी ठीक करना मुश्किल हो रहा है।रिफाइनरियों को नुकसान पहुंचने का असर अब रूस की जनता पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

देश के 83 में से 55 से ज्यादा क्षेत्रों में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर सीमाएं लगा दी गई हैं। कई शहरों में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। कुछ इलाकों में लोगों को सिर्फ 20 से 30 लीटर तक ही पेट्रोल खरीदने की अनुमति है। वहीं साइबेरिया जैसे क्षेत्रों में अधिकतम 40 लीटर पेट्रोल ही दिया जा रहा है।

पाकिस्तान-तुर्किये की दोस्ती: व्यापार के साथ रक्षा संबंध बढ़ाने पर फोकस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के प्रति अपने देश के अटूट समर्थन को एक बार फिर दोहराया है। उन्होंने साफ कहा कि अंकारा की सफलता और इस्लामाबाद की प्रगति एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े हुए हैं। शनिवार को इस्तांबुल में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन को द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने का भरोसा दिलाया। वहीं, राष्ट्रपति एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आर्थिक संबंधों की आधारशिला बताया। शहबाज शरीफ ने कहा, 'तुर्किये की सफलता ही पाकिस्तान की सफलता है और पाकिस्तान की तरक्की ही तुर्किये की तरक्की है।'

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा, 'रक्षा उद्योग में हमारा सहयोग, जो हमारे आर्थिक संबंधों के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, नए प्रोजेक्ट्स के साथ दिन-ब-दिन विकसित हो रहा है।' इसके साथ ही उन्होंने तुर्किये के निवेशकों को पाकिस्तान में अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। एर्दोगन ने यह भी स्पष्ट किया कि वे ऊर्जा, परिवहन, महत्वपूर्ण खनिजों और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं। इस्लामाबाद और अंकारा ने अपने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 5 अरब डॉलर करने की प्रतिबद्धता जताई है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.3 अरब डॉलर था। इस व्यापारिक अंतर को पाटने के लिए दोनों देशों के संबंधित मंत्रालय कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) बनाने पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि 'पाकिस्तान-तुर्किये बिजनेस कॉन्फ्रेंस' ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि दोनों देशों के आर्थिक संबंध अब एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। दोनों देशों ने वर्तमान 1.3 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को सीधे 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। रक्षा क्षेत्र पर महा-फोकस: राष्ट्रपति एर्दोगन ने नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों की असली रीढ़ करार दिया है। व्यापारिक और औद्योगिक सहयोग को जमीन पर उतारने के लिए कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान में तुर्किये का कुल निवेश लगभग 2 अरब डॉलर है, और तुर्किये कंपनियों ने वहां 3.5 अरब डॉलर के 72 प्रोजेक्ट्स हाथ में लिए हैं।

मुहम्मद यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत, खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। खसरे से अब तक करीब साढ़े सात सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सिराजुल इस्लाम के वकील तस्लीमा जहान ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने सिराजुल इस्लाम की शिकायत दर्ज की। सिराजुल नौ महीने की बच्ची के पिता हैं, जिसकी डेंगू से मौत हो गई थी। शिकायत के अनुसार, बच्ची की मौत इसलिए हुई क्योंकि वैक्सीन की कमी के कारण उसे टीका नहीं लग पाया था और बाद में ढाका के एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण उसे सही इलाज नहीं मिल सका। शिकायत में पूर्व मुख्य सलाहकार यूनुस पर कर्तव्य में लापरवाही, कानून का उल्लंघन और लापरवाही के कारण मौतें होने का आरोप लगाया गया है। इसमें पूर्व अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम और

तत्कालीन स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक मोहम्मद अबू जाफर को सहआरोपी बनाया गया है। कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जज 12 जुलाई को यह तय करेंगे कि शिकायत को स्वीकार किया जाए और आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए या नहीं। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब दशकों में बांग्लादेश में खसरे के सबसे गंभीर प्रकोप को लेकर कड़ी जांच-पड़ताल हो रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार सुबह खत्म हुए 24 घंटों में सात और मौतों की जानकारी दी। इससे 15 मार्च से खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या 738 हो गई है।

आ रहा सुपर तूफान बावी, 280 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं और समुद्र में उठेंगी लहरें; अलर्ट जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रशांत महासागर क्षेत्र गुआम और उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह भीषण सुपर टाइफून के खतरे का सामना कर रहे हैं। साल 2026 में यह दूसरी बार है जब इस क्षेत्र पर किसी सुपर तूफान का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सुपर टाइफून बावी रविवार को टिनियन और रोता द्वीपों की ओर तेजी से बढ़ रहा था। अमेरिकी संयुक्त टाइफून चेतावनी केंद्र के अनुसार, तूफान की अधिकतम रफ्तार 169 मील प्रति घंटा (करीब 280 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई है। इसे पांच स्तरों वाले सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर कैटेगरी-5 का तूफान माना गया है, जो सबसे विनाशकारी श्रेणी होती है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि द्वीपों तक पहुंचने से पहले इसकी ताकत और भी बढ़ सकती है।

मौसम एजेंसी के मुताबिक, अधिकांश पूर्वानुमान यह संकेत दे रहे हैं कि सुपर टाइफून का केंद्र टिनियन और रोता के बीच से गुजर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए तूफान की तीव्रता अनुमान से भी अधिक हो सकती है। इसी कारण प्रशासन ने लोगों को पहले से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि तूफान के पूरी तरह गुजरने तक लोग मजबूत इमारतों के भीतर ही रहें और किसी भी स्थिति में बाहर निकलने की कोशिश न करें। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और राहत एवं बचाव एजेंसियों को भी अलर्ट पर रखा गया है। उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के गवर्नर ने सोशल मीडिया के जरिए नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें और तूफान के दौरान घरों या सुरक्षित आश्रय स्थलों से बाहर न निकलें। इस गंभीर खतरे को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के लिए आपातकालीन आपदा घोषणा को मंजूरी दे दी थी। इससे संघीय एजेंसियों को राहत सामग्री, संसाधन और आपदा प्रबंधन सहायता तेजी से उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह से गुजरने के बाद सुपर टाइफून बावी पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले वीकेंड तक ताइवान के लिए भी खतरा बन सकता है। अनुमान है कि उस समय इसकी रफ्तार कम होकर भी कम से कम 127 मील प्रति घंटा (करीब 204 किलोमीटर प्रति घंटा) रह सकती है, जो इसे कैटेगरी-3 का शक्तिशाली तूफान बनाए रखेगी। इसी साल अप्रैल में सुपर टाइफून सिनलाकू ने सैपन समेत उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। उस तूफान के कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी और लोगों को पीने के पानी को उबालकर इस्तेमाल करने की सलाह दी गई थी।

सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी हमारा दोस्त, जेडी वेंस के दावे का नेतन्याहू ने किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी उनका दोस्त है। इस तरह उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी का खंडन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया में अमेरिका ही इजरायल का एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी बचा हुआ है। नेतन्याहू ने 'फॉक्स न्यूज संडे ब्रीफिंग' कार्यक्रम में कहाकि इजरायल को भारत सहित कई अन्य देशों का समर्थन प्राप्त है।

नेतन्याहू ने कहाकि हमारे कुछ और मित्र भी हैं, जैसे भारत नाम का एक देश। आप जानते हैं, वहां 1.4 अरब लोग रहते हैं और, सच कहूं तो, हमें वहां जबरदस्त समर्थन मिलता है। पिछले महीने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान वेंस ने कहा था कि इजराइल को अमेरिका-ईरान शांति वार्ता का सम्मान करना चाहिए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति से जब उन खबरों के बारे में पूछा गया था कि इजरायली नेतृत्व अमेरिका-ईरान समझौते से नाखुश है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर रहा है, तो वेंस ने कहा था कि यदि मैं इजरायल सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो दुनिया में बचे अपने एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी की आलोचना नहीं करता। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें 'फेसबुक' पर भारत से काफी समर्थन मिल रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि फेसबुक पर मुझे भारी समर्थन मिलता है। संभव है कि कई अन्य जगहों से भी मुझे समर्थन प्राप्त हो। उन्होंने वेंस के इस दावे को खारिज कर दिया कि इजराइल का कोई अन्य सहयोगी नहीं है। नेतन्याहू ने कहाकि हमारे बहुत से मित्र हैं। उन्होंने कहाकि कई देश इजरायल की उन्नत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहते हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहाकि आप जानते हैं, कई नेता मुझे फोन करते हैं और कहते हैं, 'देखिए, हमारे यहां जनमत को लेकर कुछ मुश्किलें हैं, लेकिन हम आपको बताना चाहते हैं कि हम आपका सम्मान करते हैं। क्या हम कुछ करार कर सकते हैं? क्या आप हमें अपनी सेना की कुछ चीजें सिखा सकते हैं? और क्या हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता मिल सकती है?' नेतन्याहू ने कहाकि साइबर क्षेत्र में इजरायल दुनिया का दूसरा सबसे अग्रणी देश है और हमारी प्रौद्योगिकी बेहद उन्नत है। इसलिए हमारे संबंध वास्तव में वैसे नहीं हैं, जैसे बाहर से दिखाई देते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जुलाई को वाशिंगटन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। इस बैठक में ईरान, क्षेत्रीय सुरक्षा और सऊदी अरब के साथ संबंधों पर चर्चा होगी। इजरायली मीडिया की खबरों के मुताबिक, नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच हाल ही में फोन पर हुई बातचीत के दौरान निकट भविष्य में अमेरिका में मिलने पर सहमति बनी थी।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का अत्याचार: हजारों प्रदर्शनकारियों पर बरसाई गोलियां, एक व्यक्ति की मौत; कई घायल

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शहबाज शरीफ सरकार के अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हजारों नागरिकों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबालों ने कई जगह गोलियां बरसाईं। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। कई की हालत गंभीर है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के आह्वान पर रविवार को अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में 40 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी जुटे। शरीफ सरकार के जुल्म और 600 से अधिक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद आक्रोश चरम पर है। सरकार की ज्यादती के खिलाफ आंदोलन चला रहे जेएएसी ने इस्लामाबाद की निर्मम कार्रवाई को चुनौती देते हुए गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार नेताओं व कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की। जेएएसी ने कहा कि बुनियादी अधिकारों के लिए हो रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने डुडियाल में भीड़ पर बिना उकसावे के गोलियां चलाईं। वहीं, इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की पीओके इकाई ने दावा किया कि डड्याल अंब में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों व प्रदर्शनकारियों में झड़प मुजफ्फराबाद में सुरक्षाबलों-प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। जेएएसी ने एक्स पर लिखा कि सुरक्षाबलों ने गोलाबारी की। कई प्रदर्शनकारियों की बाइक क्षतिग्रस्त कर दीं। पुलिस व पाकिस्तानी रेंजर्स ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले भी दागे। इसके अलावा मनक पियन, संगी मेरा, तरीकाबाद, लोअर छत्रा और बेइला नूर शाह में भी झड़पें हुईं।

पिछले महीने मारे गए 30 प्रदर्शनकारी : पाकिस्तान पुलिस की हिंसक कार्रवाई में आठ जून को कम से कम 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जेएएसी के सदस्य सरदार अमन खान ने मेंढर, पुंछ, राजौरी, डोडा में रहने वालों से अपील की है कि उनकी तरफ राशन और दवाओं की कमी है। हमें आपकी मदद चाहिए।

रूस ने नाटो समिट से पहले यूक्रेन पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

कीव, एजेंसी। रूस ने सोमवार सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया. यह हमला तुर्की में होने वाले नाटो के अहम समिट से एक दिन पहले हुआ है. इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल होने की उम्मीद है. सीएनएन ने यह जानकारी दी. रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की एयर फोर्स ने कहा कि हमले में बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और क्रूज मिसाइल शामिल थे. हमले के दौरान सुबह-सुबह सेंट्रल कीव में धमाकों की आवाजें सुनी गईं. कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि शहर के कम से कम दो जिलों में आग लगने या मलबे के गिरने से हुए नुकसान की खबर हैं. धमाकों से कुछ देर पहले ही राजधानी में एयर रेड सायरन चालू कर दिए गए थे. यह नया हमला यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोडिमिर जेलेंस्की की रविवार की चेतावनी के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि इंटेलिजेंस से पता चला है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, 'इंटेलिजेंस एक बार फिर इशारा कर रही है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है. यह पुतिन की खासियत है. अमेरिका के इंडिपेंडेंस डे के ठीक बाद और अंकारा में नाटो समिट से पहले रूस लोगों को मारना चाहता है.' सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला पिछले गुरुवार को कीव पर रूस के एक बड़े हमले के बाद हुआ है, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गए थे. यह युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन की राजधानी पर तीसरा

सबसे जानलेवा हमला है. अंकारा में मंगलवार से शुरू होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में रूस के युद्ध पर चर्चा होने की उम्मीद है.

रूसी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क इलाके में और ज़्यादा इलाके पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी है., जो क्रेमलिन का एक मुख्य मकसद है. साथ ही रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी इलाके के अंदर तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और मिलिट्री फैक्ट्रियों सहित जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 4 जुलाई को लगभग 90 मिनट तक फोन पर बात हुई. रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि बातचीत के दौरान, ट्रंप ने फिर से यूक्रेन में युद्ध खत्म करने में मदद की पेशकश की. जेलेंस्की ने पहले ही बड़े हमले की चेतावनी क्यों दी थी? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया। नाटो शिखर सम्मेलन से पहले यह हमला कितना अहम? यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

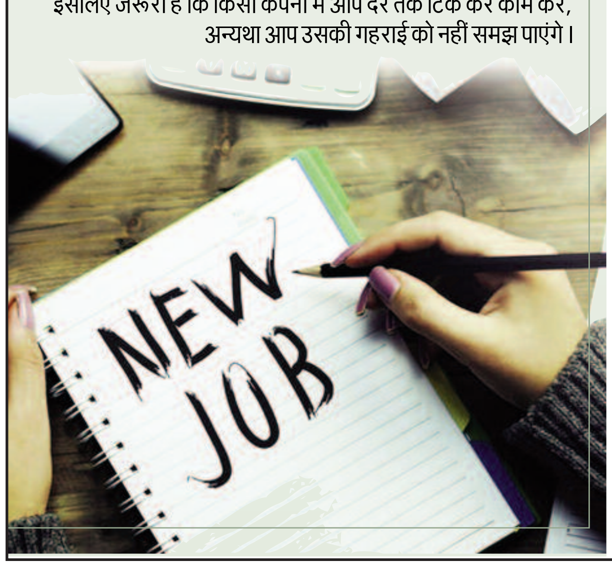

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम ।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु ।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है :- प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रुझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

कारगिल शौर्य सम्मान दिवस पर वीरांगनाओं और पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मवाकोट स्थित एक बारातघर में 17 गौरव सैनानी समिति के तत्वावधान में कारगिल शौर्य सम्मान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी वीरांगनाओं तथा समाज और राष्ट्र सेवा में योगदान देने वाले पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में बटालियन के एक अधिकारी, एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) और 19 जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए वीर सैनिकों का त्याग और समर्पण सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा तथा राष्ट्र उनके योगदान को कभी नहीं भुला सकता। समिति के अध्यक्ष कैप्टन जगदीश प्रसाद पोखरियाल ने शहीद मदन सिंह की पत्नी जीता देवी, शहीद सुरेंद्र सिंह की पत्नी दमयंती देवी, लता देवी, रोशनी देवी सहित अन्य वीरांगनाओं को सम्मानित किया। इसके अलावा 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पूर्व सैनिक श्रीधर प्रसाद केष्टवाल और मेहरबान सिंह गोरखा को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समिति के माध्यम से समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कैलाश बहुखंडी, पान सिंह चौहान और हितेंद्र सिंह को भी सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर सुधीर खंतवाल, पूजा देवी सहित समिति के सदस्य, पूर्व सैनिक और क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने बंद कराया रेल परियोजना का निर्माण कार्य

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत जनासू साइट पर ग्रामीणों ने दूसरे दिन भी निर्माण कार्य को बंद कराया। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक उन्हें ठोस आश्वासन नहीं मिलता है वह कार्य शुरू नहीं होने देंगे। दोपहर बाद तहसीलदार व आरवीएनएल के अधिकारियों से मिले आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने कार्य शुरू होने दिया। ग्राम जनासू, चिलगढ़ तल्ला और चिलगढ़ मल्ला की अधिग्रहित भूमि के मुआवजे एवं 12 प्रतिशत ब्याज के भुगतान की मांग पूरी न होने पर प्रभावितों में आक्रोश है।

ग्रामीणों का आरोप है कि रेल परियोजना के निर्माण के लिए ग्राम सभा की भूमि का अधिग्रहण किया गया था। प्राधिकरण के आदेश के अनुसार प्रभावित परिवारों को चार गुना मुआवजा राशि के साथ 12 प्रतिशत ब्याज का भुगतान किया जाना था। बावजूद उन्हें भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस मौके पर रघुवीर सिंह, नरेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान पवित्री देवी, कलम सिंह, दयाल सिंह, जितेंद्र रावत, किशन बिष्ट, वीरेंद्र सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

10 जुलाई तक नहीं कराई ई-केवाईसी तो निरस्त हो सकता है जॉब कार्ड

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : चमोली जनपद में 1 जुलाई 2026 से वीबी-जी-राम जी योजना लागू होने के बाद बिना ई-केवाईसी पूर्ण किए बिना किसी भी मनरेगा श्रमिक को मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा सकेगा। जिला प्रशासन ने बताया कि जनपद में पंजीकृत 1,09,118 मनरेगा श्रमिकों में से 23,775 श्रमिक अभी तक ई-केवाईसी प्रक्रिया से वंचित हैं।

ऐसे सभी श्रमिकों से अपील की गई है कि वे 10 जुलाई 2026 तक अपने ग्राम प्रधान या ग्राम रोजगार सेवक के माध्यम से ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें। निर्धारित समय सीमा तक प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर संबंधित श्रमिक के मनरेगा जॉब कार्ड को निरस्त करने की कार्रवाई की जा सकती है। जिला प्रशासन ने सभी ग्राम प्रधानों को निर्देशित किया है कि वीबी-जी-राम जी योजना के अंतर्गत अनुमन्य मनरेगा कार्यों को उसी योजना के तहत संचालित किया जाए। वहीं, व्यक्तिगत भूमि सुधार जैसे गैर-अनुमन्य कार्यों के लिए 10 जुलाई 2026 तक बिल एवं मस्टरोल फीडिंग की समय सीमा बढ़ाई गई है। सभी ग्राम पंचायतों को निर्धारित अवधि में शत-प्रतिशत बिल एवं मास्टर रोल फीडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भुगतान में किसी प्रकार की बाधा न आए। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों की सूचियों का अनुमोदन ग्राम सभाओं की खुली बैठकों में किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को सूची पर कोई आपत्ति है, तो वह एक सप्ताह के भीतर अपने विकासखंड मुख्यालय या संबंधित ग्राम विकास अधिकारी के पास लिखित आपत्ति दर्ज करा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

जनसमस्याओं को लेकर 18 जुलाई को तहसील परिसर में धरना देगा नागरिक मंच

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : क्षेत्र की विभिन्न लंबित जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर नागरिक मंच ने 18 जुलाई को तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में मंच के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन की जानकारी दी।

ज्ञापन में कहा गया कि कंडी रोड का निर्माण, मेडिकल कॉलेज की स्थापना, मोटर नगर का निर्माण और रेलवे स्टेशन के सुधारीकरण जैसी महत्वपूर्ण मांगें लंबे समय से लंबित हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए नागरिक मंच की ओर से पूर्व में भी कई बार धरना-प्रदर्शन किए गए और शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि 18 जुलाई को तहसील परिसर में आयोजित होने वाले धरना-प्रदर्शन के माध्यम से क्षेत्र की जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग जोरदार ढंग से उठाई जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी आंदोलन में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की।

डाकघर के खातों से अवैध निकासी का मामला, जांच में जुटी पुलिस

श्रीनगर गढ़वाल : खिर्सू ब्लॉक के जाख गांव के डाकघर में खाताधारकों के खातों से अवैध निकासी और अन्य अनियमितताओं का मामला सामने आया है। खाताधारकों और जनप्रतिनिधियों ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। खाताधारकों का आरोप है कि डाकघर के कर्मचारियों ने दो खातों से लगभग 1 लाख 80 हजार रुपये की निकासी की है। उन्होंने जमा की गई रकम की भी जांच की मांग की है। क्षेत्र पंचायत सदस्य सुरजीत सिंह बिष्ट ने बताया कि दो खाताधारकों के खातों से करीब 80 हजार और 1 लाख रुपये की अवैध निकासी हुई है। मंगलवार को पौड़ी से एक जांच टीम मौके पर पहुंची। डाकघर के सभी खातों में जमा और निकासी की अनियमितताएं सामने आई हैं।

खाताधारकों को अपनी कमाई में धांधली की आशंका है। उन्होंने बाहरी प्रदेशों से तैनात कर्मियों की भर्ती की निष्पक्ष जांच की मांग की। कोतवाली निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि शिकायती पत्र मिला है। उन्होंने कहा कि विभागीय जांच जारी है और रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी। पौड़ी डाकघर के डाक निरीक्षक अवधेश ने बताया कि शिकायत पर जांच की जा रही है और जाख डाकघर में पूछताछ की गई है।

एनएच से हो रहे पानी के रिसाव ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ाई

श्रीनगर गढ़वाल : बरसात शुरू होते ही भक्तियाना स्थित वार्ड-29 में राष्ट्रीय राजमार्ग से हो रहे पानी के रिसाव ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बारिश का पानी बहकर कई मकानों के पुश्तों तक पहुंच रहा है, जिससे उनके कमजोर होने का खतरा पैदा हो गया है। लोगों ने विभाग पर नाराजगी जताते हुए जल्द स्थायी समाधान की मांग की है। स्थानीय निवासी डॉ. अजयपाल नेगी, गजेंद्र और प्रदीप ने बताया कि एनएच की ओर से पानी की समुचित निकासी न होने के कारण पानी नीचे बस्ती की ओर रिस रहा है। समय रहते समाधान नहीं हुआ तो भारी बारिश में हालात गंभीर हो सकते हैं। इस संबंध में डॉ. नेगी ने एनएच के अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान को पत्र देकर समस्या से अवगत कराया है। इस पर एनएच के अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि संबंधित नाली को तोड़कर दोबारा बनाया जाएगा, ताकि पानी की निकासी सुचारु हो सके। इस कार्य में एक से दो माह लग सकते हैं।

ट्राउट मत्स्य पालन से दिनेश चौधरी लिख रहे सफलता की कहानी

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाकर किसान और पशुपालक अपनी आय बढ़ाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इन प्रयासों से न केवल लोगों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होने से रिवर्स पलायन को भी बढ़ावा मिल रहा है।

इसका प्रेरणादायक उदाहरण जनपद रुद्रप्रयाग के लदोली गांव निवासी दिनेश सिंह चौधरी हैं। वर्ष 2021 में उन्होंने शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी छोड़कर अपने गांव लौटने का निर्णय लिया और ट्राउट मत्स्य पालन को स्वरोजगार के रूप में अपनाया। आज वे सफलता पूर्वक ट्राउट मछली का उत्पादन करने के साथ-साथ अपनी ही हैचरी में ट्राउट की ब्रीडिंग भी कर रहे हैं। दिनेश सिंह चौधरी ने मत्स्य पालन इकाई की स्थापना में 60 प्रतिशत निवेश स्वयं किया, जबकि मत्स्य विभाग द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से 40 प्रतिशत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई। विभागीय सहयोग और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने अपने उद्यम को सफल बनाया। जिला प्रभारी मत्स्य विभाग श्रीमती मंजू भाकुनी ने बताया कि लदोली गांव निवासी दिनेश सिंह चौधरी को प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत विभागीय सहायता प्रदान की गई थी। योजना का लाभ मिलने के बाद उन्होंने ट्राउट मत्स्य पालन को स्वरोजगार के रूप में अपनाया और आज सफलता पूर्वक मत्स्य उत्पादन कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मत्स्य विभाग द्वारा समय-समय पर किसानों एवं युवाओं को विभागीय योजनाओं की जानकारी, तकनीकी मार्गदर्शन तथा आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है, ताकि अधिक से अधिक लोग मत्स्य पालन से जुड़कर स्वरोजगार स्थापित करें और अपनी आय में वृद्धि कर आत्मनिर्भर बन सकें। वर्तमान में दिनेश प्रतिवर्ष लगभग 4 से 5 लाख रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही ढंग से लाभ उठाया जाए और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य किया जाए, तो गांव में रहकर भी सम्मान जनक आय अर्जित करते हुए आत्मनिर्भर बना जा सकता है। दिनेश सिंह चौधरी की यह सफलता अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

विभाग में स्थानांतरण नीति का प्रभावी क्रियान्वयन हो

श्रीनगर गढ़वाल : विद्युत वितरण खंड कार्यालय श्रीनगर में ऊर्जा कामगार संगठन की श्रीनगर इकाई ने संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष सूर्य प्रकाश पुरोहित का स्वागत किया गया। इस मौके पर संगठन से जुड़े कर्मचारियों ने स्थानांतरण नीति, पदोन्नति के लिए विभागीय परीक्षाओं का आयोजन, विभागीय जर्जर आवासों का मरम्मतीकरण सहित विभिन्न लंबित मांगों व समस्याओं को प्रमुखता से उनके समक्ष रखा। संगठन के मंडल अध्यक्ष आशीष नेगी ने कहा कि विभाग में स्थानांतरण नीति का प्रभावी क्रियान्वयन हो और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान हो। इस दौरान उत्तराखंड पॉवर कारपोरेशन के निदेशक पद पर पीसी ध्यानी की नियुक्ति पर संगठन ने खुशी जताई। इस मौके पर खंडी अध्यक्ष महावीर प्रसाद लखेड़ा, पूजा देवी, लक्ष्मी बिष्ट, मयंक नौटियाल, संदीप शाह, संदीप उनियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कांवड़ यात्रा सीजन की तैयारियों में जुटी पुलिस

उत्तरकाशी। आगामी कांवड़ यात्रा और मानसून सीजन के मद्देनजर जनपद पुलिस ने सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने मंगलवार को पुलिस, फायर एवं एसडीआरएफ अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। बैठक में कांवड़ यात्रा मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी, प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कांवड़ियों और तीर्थयात्रियों को समय पर पुलिस सहायता उपलब्ध कराने और उनके साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखने पर विशेष जोर दिया गया। ओवरस्पीड, ड्रिंक एंड ड्राइव और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए0। मानसून के दृष्टिगत सभी थाना प्रभारियों को भूस्खलन, बाढ़ और अन्य आपदा संभावित क्षेत्रों की नियमित निगरानी, स्थानीय प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय और राहत एवं बचाव उपकरणों को हर समय क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस कंट्रोल रूम, डायल–112, वायरलेस और सैटेलाइट संचार व्यवस्था को भी हर परिस्थिति में सक्रिय रखने को कहा गया।

उपजिला चिकित्सालय में एक और फिजीशियन की तैनाती

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर उपजिला चिकित्सालय में सोमवार को डॉ. सृष्टि रावत ने चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया, जबकि वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. जयती डबराल ने भी अस्पताल में अपनी सेवाएं शुरू कर दी हैं। उनकी तैनाती से अब उपजिला चिकित्सालय में दो फिजिशियन उपलब्ध हो गए हैं, जिससे मरीजों को विशेषज्ञ उपचार के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वहीं, उपजिला चिकित्सालय श्रीनगर से स्थानांतरित हुई वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. हेमापाल बुटोला कार्यमुक्त हो गई हैं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार नई तैनातियों से अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था और सुदृढ़ होगी। प्रतिदिन बड़ी संख्या में पहुंचने वाले मरीजों को अब विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श और उपचार पहले की अपेक्षा बेहतर ढंग से मिल सकेगा।

बिजली गिरने से 200 अधिक भेड़—बकरियों की मौत

उत्तरकाशी। बीती सोमवार देर रात को डोडीताल क्षेत्र के पखोटु बुग्याल में हुई तेज बारिश के दौरान बिजली गिरने से 200 से अधिक भेड़–बकरियों की मौत हो गई। घटना से अस्सी गंगा घाटी और मोरी क्षेत्र के 15 भेड़–पालकों को नुकसान हुआ है। इसकी सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी। उसके बाद राजस्व उपनिरीक्षक टीम के साथ घटना स्थल के लिए रवाना हो गए हैं। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार करीब पंद्रह भेड़–बकरी पालकों के करीब तीन सौ से अधिक मवेशियों के साथ इन दिनों डोडीताल क्षेत्र के पखोटु बुग्याल में प्रवास पर थे। बीती सोमवार देर रात को बुग्यालों में अधिक बारिश होने के साथ ही बिजली गिरने लगी। इसकी चपेट में आने से 200 से अधिक बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी ओर करीब सौ से अधिक बकरियों अभी लापता हैं। मंगलवार सुबह घटना की सूचना लेकर एक व्यक्ति अगोड़ा व ढासड़ा गांव पहुंचा। उसने ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। इसके बाद इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर राजस्व उपनिरीक्षक पूरी टीम के साथ मौके के लिए रवाना हो गए हैं। इस बुग्याल में करीब 20 किमी का पैदल ट्रैक कर पहुंचा जा सकता है।

जनकल्याण शिविर एवं तहसील दिवस में 140 से अधिक शिकायतों का निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : सेवा, सुशासन एवं समर्पण सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को विकासखंड नारायणबगड़ के ब्लॉक सभागार में जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में ह्यजन-जन की सरकार, जन-जन के द्वारह्न कार्यक्रम के तहत बहुउद्देशीय सेवा एवं जनकल्याण शिविर एवं तहसील दिवस का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जनसामान्य की समस्याओं का समाधान, सरकारी योजनाओं का लाभ वितरण तथा विभागीय सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। शिविर में प्राप्त 140 से अधिक शिकायतों एवं जनसमस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों के समयबद्ध समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ जीजीआईसी नारायणबगड़ की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए। शिविर में ग्राम पंचायत पैठाणी निवासी गंभीर सिंह पंवार ने बरसात के दौरान गधेरे से होने वाले कटाव एवं नुकसान से बचाव के लिए सुरक्षा कार्य कराए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को स्थलीय निरीक्षण करने तथा सिंचाई विभाग के माध्यम से आवश्यक सुरक्षा कार्य कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पैठाणी में विद्युत लाइन एवं केबल संबंधी समस्या पर अधिशासी अभियंता यूपीसीएल को आवश्यकतानुसार विद्युत लाइन का स्थानांतरण एवं लॉपिंग कार्य शीघ्र कराने को कहा। ग्राम प्रधान किमोली वीरेंद्र भण्डारी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत किमोली लिंक मोटर मार्ग के सुधार की मांग पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई को नंदा देवी राजजात के तहत प्रस्तावित करने तथा तत्काल क्षतिग्रस्त हिस्सों में पैचवर्क कर सड़क को सुगम बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि शासन की मंशा है कि आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि शासन-प्रशासन स्वयं उनके द्वार तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा पात्र व्यक्ति किसी भी सरकारी योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य जनसमस्याओं का त्वरित समाधान करने के साथ-साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में दर्जा मंत्री माधव सेमवाल, ब्लॉक प्रमुख गणेश चंदौला, गणेश शाह, उपजिलाधिकारी यशवीर सिंह रावत, परियोजना निदेशक आनंद सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टिटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

ई–निविदा निस्तारिकरण सूचना

इस खण्ड द्वारा पूर्व में आमन्त्रित ई–निविदा सं0 01/EDDN/2026–27 को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

पत्रांक : 450/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 07.07.2026

अधिशासी अभियन्ता,
वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद–244001 द्वारा निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रणाली के अंतर्गत भंडार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. स०	01	निविदा स०	GEM/2026/B/7699077
माल का विवरण	1. ISI मार्क वाली 4 कोर 35 sq mm., LT XLPE इंसुलेटेड, स्ट्रैंडेड एल्युमीनियम कंडक्टर, PVC शीथेड, गैल्वेनाइज्ड राउंड मेटैलिक वायर/स्ट्रिप आर्मर्ड, UGAC केबल जो IS: 7098 (भाग–1) (2020 में री–अफर्म किया गया या लेटेस्ट) के अनुसार हो और 1100 V ग्रेड तक के वर्किंग वोल्टेज के लिए उपयुक्त हो। डिटेल्ड टेस्ट स्पेसिफिकेशन अटैच्ड एनेक्शर–A के अनुसार हैं।		
मात्रा (मीटर में)	42,650 मीटर	बयाना राशि (रू. में)	1,55,010. 00
अनुमानित मूल्य (रू. में)	77,50,358.00	निविदा खुलने की तिथि	27.07 2026 11:00 AM
कुल मात्रा	42650 मीटर		

नोटः- पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्ते वेब साइट www.gem.gov.in पर उपलब्ध है। सभी इच्छुक निविदाकर्ताओ को ई. निविदा मे भाग लेने तथा पंजीकरण कराने के लिए भारत सरकार आई टी अधिनियम 2000 के तहत प्राधिकृत प्रमाणित एजेंसी से क्लास III डिजिटल प्रमाण पत्र (यदि पहले से प्राप्त नही किया है) प्राप्त मान्य होगा। मेन्यूल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

पत्र. सं०:- 50-S/LP/2026 दिनांक:- 06/07/2026 2325/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मनेरा बाईपास पर कूड़े का ढेर, बरसात में बढ़ा संक्रमण का खतरा

उत्तरकाशी। मनेरा बाईपास रोड इन दिनों खुले में डंप किए जा रहे कूड़े और निर्माण मलबे का अघोषित डंपिंग जोन बन गया है। सड़क किनारे लगे कूड़े के ढेर बरसात में सड़ने लगे हैं जिससे दुर्गंध के साथ संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। हालात ऐसे हैं कि राहगीरों और वाहन चालकों को कूड़े के ढेर के बीच से गुजरना पड़ रहा है जबकि जिम्मेदार विभाग मूकदर्शक बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां लंबे समय से घरेलू कचरे के साथ निर्माण सामग्री का मलबा भी खुले में डाला जा रहा है। बरसात के दौरान कूड़े से निकलने वाली गंदगी आसपास फैल रही है जिससे पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ मच्छरों और अन्य कीटों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है। लोगों का कहना है कि यह स्थिति जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नियमित सफाई और निगरानी के अभाव में यह स्थान धीरे–धीरे कूड़ा घर में तब्दील हो गया है। उन्होंने मांग की कि सड़क किनारे जमा कूड़ा और मलबा तत्काल हटाया जाए, यहां कूड़ा फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कोतवाली हर्षिल को लोनिवि गेस्ट हाउस में किया गया शिफ्ट

उत्तरकाशी। मानसून के दौरान बढ़ते जोखिम को देखते हुए कोतवाली हर्षिल को एहतियातन लोनिवि के हर्षिल विश्राम भवन में अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया गया है। मानसून के संभावित खतरे के मद्देनजर एसपी कमलेश उपाध्याय ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर कार्यों का निरीक्षण किया। उनके निर्देश पर कोतवाली को शिफ्ट किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने कहा कि नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए किसी भी स्तर की लापरवाही ठीक नहीं है। उन्होंने नदी तट पर चल रहे जल निकासी, चैनलाईजेशन, सुरक्षा दीवार और वायरक्रेट निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

उप्र में जन्मे विनायक शुक्ला बने ओमान पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान

मस्कट। ओमान क्रिकेट ने भारतीय मूल के विकेटकीपर-बल्लेबाज विनायक शुक्ला को पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया है। टीम के उप-कप्तान रहे शुक्ला ने जतिंदर सिंह की जगह ली है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत में हुए आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ओमान की कमान संभाली थी। ओमान क्रिकेट ने विनायक शुक्ला को कप्तान इसलिए चुना है, क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम भूमिका निभाई है। ओमान क्रिकेट ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए नए कप्तान की घोषणा करते हुए कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। ओमान क्रिकेट गर्व के साथ विनायक शुक्ला को ओमान पुरुष क्रिकेट टीम का कप्तान घोषित करता है।' पिछले कुछ वर्षों में टीम की तरक्की और सफलता में अहम योगदान देने के बाद, 32 वर्षीय विनायक अब राष्ट्रीय टीम को अगले अध्याय में ले जाने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

18 जून 1994 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्मे विनायक शुक्ला अपने कोच की सलाह पर बेहतर अवसरों की तलाश में साल 2021 में ओमान चले गए थे। इसके बाद उन्होंने अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए 'नेशनल मेटल कैंस' में डेटा ऑपरेटर की नौकरी की। इसके साथ ही क्रिकेट खेलना भी जारी रखा।

विनायक ने 14 दिसंबर 2024 को टी20 मैच के साथ ओमान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। इसके बाद 10 फरवरी 2025 को एशिया कप में नामीबिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया। विनायक शुक्ला ओमान के पसंदीदा विकेटकीपर बने, उन्होंने खास तौर पर टी20 क्रिकेट में मिडिल ऑर्डर से तेजी से रन बनाकर प्रभावित किया है। विनायक शुक्ला ने अपने करियर में 15 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 26 की औसत के साथ 312 रन बनाए। वहीं, 23 टी20 मुकाबलों में उनके बल्ले से 2 अर्धशतकों के साथ 447 रन निकले। विनायक 15 लिस्ट-ए मुकाबलों में 312 रन जोड़ चुके हैं।

विंबलडन

जैनिक सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, मोचिजुकी को सीधे सेटों में हराया

लंदन। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह लगातार पांचवां मौका है जब सिनर ने विंबलडन के अंतिम आठ का टिकट हासिल किया है। इस जीत के साथ सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में केवल सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे

खिलाड़ी हैं। मैच की शुरुआत में जापान के शिंटारो मोचिजुकी ने शानदार खेल दिखाया और कुछ मौकों पर सिनर को दबाव में भी डाला। उन्होंने पहले ब्रेक प्वाइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी कर ब्रेक बचा लिया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने अपनी सर्विस पर बेहतर नियंत्रण दिखाया और शुरुआती गेम में कोई पॉइंट नहीं गंवाया। उन्होंने लंबे रैलियों में भी सिनर को चुनौती दी।

टी20 सीरीज: जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान

वैभव-रिंकू को मौका

● सैमसन बाहर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक बार फिर 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया है। तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान होंगे। वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के खिलाफ दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन वहां उन्हें मौका नहीं मिल सका। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भी वह प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे। आखिरकार, दूसरे मुकाबले में वैभव को मौका दिया गया, जिसके साथ 15 साल और 99 दिन की उम्र में वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए थे। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वैभव 14 रन ही बना सके थे। मैच फिनिशिर रिंकू सिंह ने टी20 टीम में वापसी की है। इनके अलावा, प्रिंस यादव, यश ठाकुर और अशोक शर्मा भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं। हर्ष दुबे और वरुण चक्रवर्ती को स्पिन गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा रहे अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को मौका नहीं दिया गया। विकेटकीपिंग का जिम्मा ईशान किशन और प्रभसिमरन सिंह को सौंपा गया है। संजू सैमसन इस सीरीज से बाहर हैं।

दोनों देशों के बीच 23, 25 और 26 जुलाई को हरारे स्थित हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टी20 सीरीज के तीनों मैच खेले जाने हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को शामिल किया है।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बदलाव

रेड्डी की जगह दुबे टीम में शामिल

मुंबई। इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने जा रही तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज से पहले चोटिल नितीश कुमार रेड्डी की जगह सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शिवम दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दुबे इंग्लैंड में जारी पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि दुबे वनडे सीरीज के लिए भी वहीं रुकेंगे, क्योंकि रेड्डी अभी भी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं।

रेड्डी के रिहैबिलिटेशन के कारण उन्हें पहले ही आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और जिम्बाब्वे के विरुद्ध आगामी तीन मुकाबलों की सीरीज से बाहर कर दिया गया था। देवजीत सैकिया ने कहा, 'सिलेक्शन कमिटी ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नितीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को चुना है।

भारत की अपडेटेड वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, शिवम दुबे।

यूथ हॉकी : 5-एस एशियन चैंपियनशिप से पहले सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप के लिए खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने यूथ हॉकी 5-एस एशियन चैंपियनशिप 2026 की तैयारी के लिए सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप में हिस्सा लेने जा रहे 15 खिलाड़ियों के नामों का ऐलान कर दिया है। यह प्रतियोगिता ओमान की राजधानी मस्कट में 20 से 25 जुलाई के बीच आयोजित होगी, जिससे पहले नेशनल कैंप 7 से 18 जुलाई तक चंडीगढ़ के सेक्टर 14 स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में आयोजित किया जाएगा। देश के होनहार युवा खिलाड़ी कोच और भारत के पूर्व कप्तान सरदार सिंह की देखरेख में ट्रेनिंग करेंगे। इस ग्रुप के सभी 15 खिलाड़ी उस भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे हैं, जिसने हाल ही में संपन्न अंडर-18 पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता था।

दो सप्ताह के इस कैंप का मकसद खिलाड़ियों को हॉकी 5-एस की रणनीतिक और तकनीकी जरूरतों से परिचित कराना और साथ ही व्यवस्थित ट्रेनिंग सेशन के जरिए उनके खेल को बेहतर बनाना है।

पहला वनडे: 'लो स्कोरिंग' मैच में जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को 25 रन से हराया

सीरीज में 1-0 से लीड

हरारे। जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश के खिलाफ हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में 25 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। सोमवार को हरारे में खेले गए मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम महज 36.4 ओवरों में 141 रन पर सिमट गई। इस टीम को 36 के स्कोर पर बेन करन (18) के रूप में पहला झटका लगा। इसी स्कोर पर ब्रायन बेनेट (17) भी चलते बने। 7 ओवरों में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवाने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि टीम ने 70 के स्कोर तक अपने 8 विकेट खो दिए थे। यहां से रिचर्ड नगारवा ने न्यूमैन न्याम्हुरी के साथ 9वें विकेट के लिए 81 गेंदों में 63 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के पार पहुंचा

दिया। न्यूमैन न्याम्हुरी ने 5 चौकों के साथ 33 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान रिचर्ड नगारवा ने 27 रन जुटाए। इनके अलावा, इनोसेंट काइया ने 26 रन का योगदान दिया।

बांग्लादेश की तरफ से नाहिद राणा ने 10 ओवरों में 21 रन देकर 6 विकेट निकाले। इनके अलावा, तस्कीन अहमद ने 2 विकेट हासिल किए। एक विकेट मेहदी हसन के हाथ लगा। इसके जवाब में बांग्लादेशी टीम 33.1 ओवरों में 116 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 17 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे। यहां से तौहीद हिरदॉय ने नुरुल हसन के साथ चौथे विकेट के लिए 88 गेंदों में 49 रन की साझेदारी करते हुए बांग्लादेश को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस जोड़ी के टूटने के बाद टीम बिखर गई।

फीफा वर्ल्ड कप: इंग्लैंड ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है। इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दागे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए।

इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। दोनों गोलों के बीच अंतर सिर्फ 98 सेकंड का रहा।

● रोमांचक मुकाबले में मेक्सिको को 3-2 से हराया

हालांकि, मेक्सिको ने जल्द ही मुकाबले में वापसी की। टीम की ओर से क्विनोन्स ने मैच के 42वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। हालांकि, पहले हाफ के अंत तक इंग्लैंड 2-1 की बढ़त कायम रखने में सफल रहा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंग्लैंड को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब इंग्लैंड के खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को जीसस गैलार्डो को गलत तरीके से चैलेंज करने के कारण रेफरी ने रेड कार्ड थमा दिया। क्वान्सा फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले चौथे इंग्लिश खिलाड़ी बने। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड को बचे हुए मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फीफा विश्व कप 2026: एकता और लड़ने का जज्बा मेक्सिको की सफलता का कारण, स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का बयान

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में सोमवार को मेक्सिको का मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ होना है। इस मैच के लिए मेक्सिको पूरी तरह तैयार है। मेक्सिको का अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम के स्ट्राइकर राउल जिमेनेज का मानना ??है कि विश्व कप में उनकी टीम के जोरदार प्रदर्शन की वजह एकता और लड़ने का जज्बा है। जिमेनेज ने फीफा से बातचीत के दौरान कहा, 'हम पूरी तरह से अपने लक्ष्य पर केंद्रीत एकजुट हैं। एकजुटता और एक पारिवारिक भावना हमें बड़ी चीजों के लिए प्रेरित रही है। हमें मेक्सिको में अभी एक और मैच खेलना है। हम पूरी तरह से जानते हैं कि क्या दांव पर लगा है।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। हमारी टीम सच में बहुत मजबूत है। जेवियर एगुइरे के चार्ज संभालने के बाद से हम सब एक साथ हैं। आसमान ही हमारे लिए सीमा है।'

यूथ वनडे: श्रीलंका के खिलाफ 'द्रविड़' ने जड़े 87 रन

हम्बनटोटा। भारत के महान खिलाड़ी राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने भारत अंडर-19 टीम की तरफ से खेलते हुए सोमवार को श्रीलंका अंडर-19 के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे मैच में 87 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने 67 गेंदों की इस पारी में 1 छक्का और 9 चौके लगाए, लेकिन टीम मैच गंवा बैठी। सोमवार को महिंदा राजपक्षे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अन्वय द्रविड़ की इस शानदार पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 285 रनों का विशाल स्कोर बनाया, लेकिन श्रीलंका ने इस मैच को 8 विकेट शेष रहते अपने नाम कर लिया। भारतीय

● विशाल स्कोर के बावजूद भारत की हार

टीम ने पहला मैच 4 विकेट से जीता था, लेकिन अब तीन मुकाबलों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई है। सीरीज का अंतिम मैच 9 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाना है। इसके बाद 13 जुलाई से दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेले जाएंगे। हम्बनटोटा में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 47.2 ओवरों में 285 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम ने 11 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कुशाग्र ओझा ने वीके विनीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 गेंदों में 67 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। विनीत 45 गेंदों में 4 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अन्वय द्रविड़ बल्लेबाजी के लिए उतरे और अर्जुन राजपूत के साथ पांचवें विकेट के लिए 126 गेंदों में 144 रन जुटाए। अर्जुन 81 गेंदों में 10 बाउंड्री के साथ 76 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अन्वय ने 87 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। श्रीलंकाई खेमे से गिमहान मेंडिस ने 8.2 ओवरों में 41 रन देकर सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि कविजा गमागे ने 2 विकेट निकाले। एक विकेट सेथमिका सेनेविरात्ने के हाथ लगा।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 48 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को 25 के स्कोर पर दुलनिथ सिगेरा (14) के रूप में शुरुआती झटका लग गया था। इसके बाद दिमंथा महाविथाना ने सेनुजा वेकुनागोडा के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी करते हुए जीत की नींव रख दी।